संस्थापक :स्व.श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
रविवार
25 अक्टूबर 2026
वर्ष : 25 अंक : 122
कुल पृष्ठ : 08
मूल्य : एक रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा,पंजाब,हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

प्रतिका रावल की शतकीय पारी

संक्षिप्त समाचार

भारत का मोस्ट वॉन्टेड गैंगस्टर हिमांशु भाऊ गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मोस्ट वॉन्टेड गैंगस्टर हिमांशु भाऊ को अमेरिका में एफबीआई ने गिरफ्तार किया है। हिमांशु पर दिल्ली, हरियाणा समेत कई राज्यों में मर्डर, हत्या की कोशिश, रंगदारी और हथियारों की तस्करी जैसे करीब 30 से ज्यादा गंभीर मामले दर्ज हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी सामने आई है। इंटरपोल ने उसके खिलाफ 2023 में रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। हरियाणा पुलिस ने उस पर 2.5 लाख और दिल्ली पुलिस ने 1 लाख रुपए का ईनाम घोषित किया था। 2022 में हरियाणा में 24 घंटे में तीन हत्याओं के बाद हिमांशु चर्चा में आया था। हिमांशु भाऊ की गैंग ने ही 2025 में यूट्यूबर एल्विश यादव के गुरुग्राम स्थित घर के बाहर फायरिंग की जिम्मेदारी ली थी।

मुंबई में जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा संदिग्ध पकड़ाया

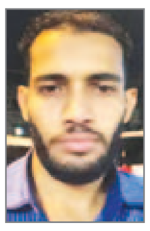

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई एंटी टेररिस्ट स्क्वाड ने माहिम इलाके से 33 साल के मोहम्मद हसन अबू सरमद अख्तर को गिरफ्तार किया है। उस पर आतंकी संगठन जैश–ए–मोहम्मद से जुड़े होने का आरोप है। आरोपी बिहार का रहने वाला है और मुंबई में रैपिडो ड्राइवर था। एटीएस के मुताबिक, आरोपी के मोबाइल फोन की जांच में भड़काऊ पोस्ट और जैश–ए–मोहम्मद सरगना मसूद अजहर की ऑडियो क्लिप मिली हैं। जांच एजेंसी उसके सोशल मीडिया अकाउंट और एक टेलीग्राम ग्रुप से जुड़ी गतिविधियों की भी जांच कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी की सोशल मीडिया गतिविधियों और एक टेलीग्राम ग्रुप से जुड़े सुरागों के आधार पर मामला सामने आया। पुलिस का आरोप है कि वह सोशल मीडिया पर जैश–ए–मोहम्मद को बढ़ावा देने वाली सामग्री पोस्ट करता था। एटीएस यह भी पता लगा रही है कि आरोपी के पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों से संपर्क थे या नहीं। मामले की जांच मुंबई एटीएस की कालाचौकी यूनिट कर रही है।

कश्मीर में प्रतिबंधित संगठन से जुड़े छह लोग गिरफ्तार

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के बांदीपोरा जिले में प्रतिबंधित संगठन इत्तेहाद–उल–मुस्लिमीन से जुड़ाव के आरोप में 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें 4 महिलाएं शामिल हैं। पुलिस को शक है कि इस नेटवर्क को सीमा पार से फंडिंग मिली थी। पुलिस के मुताबिक, बांदीपोरा और आसपास के इलाकों में 14 से 15 सीक्रेट बैठकें हुई थीं। इनमें से 5 से 6 बैठकें बांदीपोरा–बारामूला रोड पर स्थित एक छोटे होटल में किए जाने की बात सामने आई है। जांचकर्ताओं को एक

साल से ज्यादा समय में करीब 7 से 8 लाख के संदिग्ध लेन–देन का पता चला है। मामले में यूएपीए की धारा 10 और 13 के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस फंडिंग के स्रोत और नेटवर्कसे जुड़े लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। जांच की शुरुआत वहीद अहमद भट से हुई पुलिस के मुताबिक, जांच कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा निवासी वहीद अहमद भट से शुरू हुई।

केरलम राज्यपाल ने पद संभालते ही नॉनवेज रोका

- लोकभवन के लिए नई गाइडलाइन, विरोध में है केरल की यूडीएफ सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरलम के नए राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर के पद संभालने के कुछ घंटे बाद ही लोकभवन में मांसाहारी खाना बनाने और परोसने पर रोक लगा दी। कांग्रेस और विपक्षी सीपीएम ने इस फैसले की आलोचना की। कांग्रेस ने कहा कि क्या अब राज्यपाल तय करेंगे कि क्या खाना है। राज्यपाल कार्यालय के सूत्रों ने कहा कि माथुर शाकाहारी हैं। इसी वजह से उन्होंने यह बदलाव कराया। सूत्रों ने साफ किया कि लोकभवन के कर्मचारियों के खाने पर कोई रोक नहीं लगाई गई है। माथुर ने शुक्रवार सुबह केरलम के 29वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली।

कांग्रेस ने कहा- राज्यपाल ने हद पार कर दी

लोकसभा सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि सिर्फ शाकाहारी खाना बनाने का निर्देश देकर राज्यपाल ने हद पार कर दी है। उन्होंने कहा कि केरलम की खान–पान की संस्कृति अलग है। तटीय राज्य होने के कारण यहां मछली भी बड़ी मात्रा में उपलब्ध है। राज्य के लोग शाकाहारी या मांसाहारी भोजन चुनने के लिए स्वतंत्र हैं। सूत्रों के मुताबिक, लोकभवन की रसोई में तैयार खाना सिर्फ राज्यपाल और उनके निजी स्टाफ के कुछ सदस्यों को दिया जाता है। अन्य कर्मचारी या तो घर से खाना लाते हैं या बाहर खाना खाते हैं। सूत्रों ने कहा कि उनके खाने की पसंद पर कोई रोक नहीं लगाई गई है।

कट्टर मुस्लिम देश को भारतीय सेना पर है जबरदस्त भरोसा!

- जंगल-पहाड़ में युद्ध की ट्रेनिंग के लिए 600 सैनिकों को भेज रहा,300 हुए लैंड

अबुजा (एजेंसी)। नाइजीरिया की सेना अपने 600 सैनिकों को भारत भेज रही है। ये सैनिक भारत में जंगल और पहाड़ी इलाकों में विशेष युद्ध प्रशिक्षण लेंगे। इस ट्रेनिंग का उद्देश्य कठिन इलाकों में सैनिकों की युद्ध क्षमता को बढ़ाना और नाइजीरिया की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने की सेना की क्षमता को मजबूत करना है। नाइजीरियाई सेना के 300 जवानों का पहला जत्था गुरुवार, 22 अक्टूबर को भारत आ चुका है। बाकी बचे 300 जवानों को प्रशिक्षण के लिए हवाई मार्ग से भारत भेजने की तैयारी चल रही है। इस्लाम और ईसाई धर्म को मानने वाली आबादी वाला अफ्रीकी देश नाइजीरिया लंबे समय से कई आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों से जूझ रहा है।

- **युद्ध के लिए हमेशा तैयार रहने वाली सेना का होगा निर्माण–** नाइजीरियाई सेना का कहना है कि यह प्रशिक्षण सेनाध्यक्ष की उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसका उद्देश्य एक ऐसी पेशेवर, परिस्थितियों के अनुसार ढलने वाली और युद्ध के लिए हमेशा तैयार रहने वाली सेना का निर्माण करना है। ताकि वह जंगलों, पहाड़ी इलाकों और अन्य कठिन वातावरणों में सक्रिय आतंकवादियों, विद्रोहियों और अन्य आपराधिक तत्वों का सामना करने में सक्षम हो। भारत में ट्रेनिंग के इस विशेष कार्यक्रम से सैनिकों को जंगल और पहाड़ों में लड़ने के उन्नत कौशल प्राप्त होंगे, उनकी परिचालन गतिशीलता में सुधार होगा और कठिन इलाकों में आपराधिक तत्वों को सुरक्षित ठिकाने ना मिल सकें।

पीएम के पास पहुंचेगा मंत्रियों का रिपोर्ट कार्ड

- कैबिनेट विस्तार से पहले मोदी करेंगे बड़ी बैठक, जानेंगे हाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य और फिर केंद्र सरकार के मुखिया के रूप में 25 वर्ष पूरे किए तो जनविश्वास को इसका आधार बताने के साथ ही नई ऊर्जा से काम और रिफार्म एक्सप्रेस चलाने के प्रति भी देशवासियों को आश्वस्त किया। अब उसी दिशा में प्रयास तेज करने का केंद्र सरकार का इरादा दिखाई दे रहा है। दरअसल, 27 अक्टूबर को कैबिनेट सचिव ने सभी मंत्रालयों के सचिवों की बैठक बुलाई है। इसमें मंत्रालयों से उनकी परफार्मेंस रिपोर्ट ली जाएगी। वह समग्र रिपोर्ट प्रधानमंत्री तक जाएगी, जिसके बाद ईज आफ डूइंग और ईज आफ लिविंग बढ़ाने की दिशा में कुछ महत्वपूर्ण निर्णय किए जा सकते हैं। एक मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कैबिनेट सचिवालय से सभी मंत्रालयों से कहा गया है कि वर्तमान में चल रही योजनाओं, उनकी प्रगति, जनता को मिल रहे लाभ के साथ ही भविष्य के लिए प्रस्तावित कार्ययोजनाओं पर पूरी रिपोर्ट तैयार की जाए।

पीएम मोदी के सामने प्रस्तुत की जाएगी रिपोर्ट

बताया गया है कि यह रिपोर्ट पीएम मोदी के सामने प्रस्तुत की जाएगी। इसके बाद उच्चस्तरीय बैठक के बाद कुछ निर्णय किए जा सकते हैं। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी लगातार रिफार्म, परफार्म और ट्रांसफार्म पर जोर देते हैं। उनका मानना है कि व्यापार करने में सुगमता के साथ ही ईज आफ लिविंग यानी जीवन जीने में सुगमता शहरों के साथ ही कस्बों और गांवों तक भी पहुंचनी चाहिए। सरकार के इस ताजा प्रयास को वर्तमान राजनीतिक घटनाक्रमों से जोड़कर भी देखा जा रहा है। दरअसल, कांग्रेस सहित समूचे विपक्ष का आंदोलन इसी थीम पर चल रहा है कि सरकार के प्रति जनता के विश्वास को कम किया जाए। इसी आधार पर रिजीम चेंज जैसे असंवैधानिक दावे भी किए जा रहे हैं। वहीं, सरकार का प्रयास है कि अब तक जिस तरह से जनता के हितों को केंद्र में रखकर योजनाओं धरातल पर उताया गया है, उन्हें सैचुरेशन मोड पर पहुंचाया जाए। पिछले दिनों इसके लिए देशभर में जनता से जुड़ी योजनाओं से संबंधित विभागों के शिविर भी लगवाए गए। साथ ही पीएम मोदी रिफार्म एक्सप्रेस का भी गियर बदल सकते हैं।

देश में अब डिजिटल क्रांति से बदलेगी खेती

- तय समय से 5 महीने पहले बनीं 11 करोड़ फार्मर आईडी
- केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जताई बेहद खुशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्च 2027 तक 11 करोड़ किसानों की फार्मर आईडी बनाने का लक्ष्य रखा था

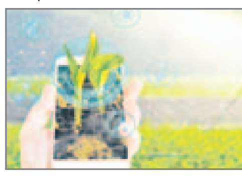

लेकिन इसे पांच माह पहले हुए हासिल कर लिया गया है। देश में 11 करोड़ किसानों की फार्मर आईडी बनने पर केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा है कि आज का दिन भारतीय खेती, कृषि और किसानों के लिए ऐतिहासिक है। एक सपना साकार हुआ है, एक संकल्प पूरा हुआ है।

- **किसानों को समृद्ध बनाने के लिए टेक्नोलॉजी जरूरी–** उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है, विकसित भारत के लिए, विकसित कृषि और समृद्ध किसान और खेती को विकसित और किसान को समृद्ध बनाने के लिए, आधुनिक टेक्नोलॉजी जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि कई तरह की योजनाएं प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देशभर में किसानों के लिए चल रही हैं। उन योजनाओं का लाभ सही समय पर, सही किसान को मिले, यह जरूरी है।

पीएम मोदी द्वारा तय किए लक्ष्य का किया जिक्र

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने लक्ष्य तय किया था कि मार्च 2027 तक 11 करोड़ फार्मर आईडी बन जाने चाहिए। लेकिन तय समय से 5 महीने पहले ही 11 करोड़ फार्मर आईडी बनाने का काम पूरा हो गया। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने बताया कि अब यह फार्मर आईडी के माध्यम से योजनाओं का पारदर्शी तरीके से लाभ मिलेगा।

हर बूथ पर बढ़ाएं अपनी विचारधारा के वोट

- चुनाव से पहले यूपी सीएम योगी का निर्देश

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को धार देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पार्टी संगठन और विधायकों को बूथ स्तर पर मोर्चा संभालने के कड़े निर्देश दिए हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश भर के भाजपा विधायकों, प्रदेश पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों से

संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान को पूरी मुस्तैदी से चलाने का अल्टीमेटम दिया। सीएम ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत हर पात्र मतदाता का नाम सूची में शामिल कराना अनिवार्य है और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही पार्टी को नुकसान पहुंचा सकती है। यदि ग्रामीण क्षेत्रों के मतदाताओं के नाम गांवों की सूची में दर्ज हैं और वे अब शहरी इलाकों में रह रहे हैं, तो उनके नाम शहर की मतदाता सूची में ट्रांसफर कराने के लिए अभियान चलाएं। सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने जिलाध्यक्षों को सख्त लहजे में हिदायत देते हुए कहा कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण प्रक्रिया में केवल खानापूर्ति या लीपापोती नहीं होनी चाहिए। हर पोलिंग बूथ पर पार्टी की विचारधारा से जुड़े समर्थकों का वोट बढ़ाना प्राथमिक कार्य है।

इंडो-पैसिफिक क्षेत्रीय वार्ता की मेजबानी करेगी नेवी

- 3 सितंबर से होगा संवाद,18 देशों के एक्सपर्ट होंगे शामिल

जलवायु परिवर्तन-उभरती तकनीकों पर मिलकर करेंगे चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना तीन से पांच नवंबर तक नई दिल्ली में इंडो-पैसिफिक रणनीतिक वार्ता की मेजबानी करेगी। इस दौरान कई देशों के विशेषज्ञ समुद्री विज्ञान, महासागरों के प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने की क्षमता और उभरती प्रौद्योगिकियों पर विचार-विमर्श करेंगे। शुक्रवार को रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि इस कार्यक्रम के पहले दिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का संबोधन होगा। तीन दिवसीय कार्यक्रम में विशेष संबोधन भी होगा।

- **18 देशों के विशेषज्ञ होंगे शामिल**–इसने बताया कि इस सम्मेलन में 18 देशों के विशेषज्ञ एकत्र होंगे और इसमें शैक्षणिक नेटवर्क, समुद्री विज्ञान, महासागरों के प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने की क्षमता तथा उभरती प्रौद्योगिकियों पर विचार–विमर्श किया जायेगा। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस संवाद के पिछले संस्करणों में हिंद–प्रशांत महासागर पहल (आईपीओआई) के सात परस्पर जुड़े समुद्री प्राथमिकता क्षेत्रों के चुनिंदा पहलुओं पर विचार किया गया है। बैंकॉक में आयोजित 14वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में पीएम ने इस पहल की घोषणा की थी।

इंस्टाग्राम के बाद ‘एक्स’ पर आई सोनिया गांधी

- वीडियो में बताया राजीव गांधी के साथ पहली मुलाकात का किस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने इंस्टाग्राम के बाद एक्स पर भी डेब्यू किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें उन्होंने बताया है कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के साथ उनकी प्रेम कहानी की शुरुआत 1965 में इंग्लैंड के कैम्ब्रिज में द वार्सिटी नाम के एक छोटे से ग्रीक रेस्तरां में हुई थी। एक्स पर अपनी पहली पोस्ट में सोनिया गांधी ने अपनी आने वाली किताब बिलॉन्गिंग अ जर्नी ऑफ लव के बारे में बात की। यह किताब 10 नवंबर को रिलीज होने वाली है। उन्होंने राजीव गांधी के साथ बिताए अपने जीवन की निजी यादें भी साझा कीं और पुरानी यादों व तस्वीरों के जरिए अपने रिश्ते के शुरुआती दिनों की एक झलक पेश की।

ग्रीक रेस्तरां में शुरू हुआ प्यार का सफर– उन्होंने कहा, कैम्ब्रिज के एक छोटे से ग्रीक रेस्तरां में मेरे प्यार का सफर शुरू हुआ। राजीव और मैंने प्यार, हंसी और यादों से भरी एक दुनिया बनाई।

सैन्यबलों के लिए बनेगा खास ब्रॉडबैंड नेटवर्क

- देशभर के 30 लाख कर्मियों को मिलेगी सुविधा
- गृह मंत्रालय का आदेश,डिजिटल दुनिया की ओर हमारी पुलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में पुलिस,अर्धसैनिक बलों और आपदा राहत से जुड़े कर्मियों के बीच संचार व्यवस्था को मजबूत करने की तैयारी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय करीब 30 लाख कर्मियों के लिए देशव्यापी समर्पित ब्रॉडबैंड नेटवर्क विकसित करना चाहता है। इसके जरिए जरूरत के समय सुरक्षित और तेज संचार के साथ आवाज, वीडियो और डेटा साझा करने की सुविधा उपलब्ध कराने की योजना है। गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को इस प्रस्तावित नेटवर्क के डिजाइन और तकनीकी ढांचे को लेकर आम लोगों और संबंधित पक्षों से सुझाव मांगे। इस पहल का उद्देश्य पुलिस और अन्य आपातकालीन सेवाओं को ऐसा संचार तंत्र उपलब्ध कराना है, जो गंभीर परिस्थितियों में भी उनके काम आ सके। **सुरक्षा और आपदा राहत से जुड़े विभाग शामिल–** गृह मंत्रालय के प्रस्तावित नेटवर्क का नाम ब्रॉडबैंड पब्लिक प्रोटेक्शन एंड डिजास्टर रिलीफ है। यह देशभर में सार्वजनिक सुरक्षा और आपदा राहत से जुड़े विभागों के लिए तैयार किया जाएगा। इस नेटवर्क के तहत मिशन क्रिटिकल पुश-टू-टॉक मिशन क्रिटिकल डेटा और मिशन क्रिटिकल वीडियो जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है। इससे संबंधित कर्मियों को तत्काल आवाज संदेश भेजने, जरूरी डेटा साझा करने और वीडियो के जरिए स्थिति की जानकारी देने में मदद मिल सकती है। इस व्यवस्था के दायरे में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, अग्निशमन सेवाएं, चिकित्सा सेवाएं और अन्य सार्वजनिक सुरक्षा एजेंसियां आएंगी।

30 लाख उपकरणों की जरूरत,तीन श्रेणियों में बांटने की योजना

गृह मंत्रालय के मुताबिक, इस परियोजना के लिए करीब 30 लाख हैंडसेट की जरूरत का अनुमान है। इन्हें कर्मियों की जिम्मेदारियों और कार्यस्थल की आवश्यकताओं के अनुसार अलग–अलग श्रेणियों में बांटने की योजना है। मंत्रालय के अनुसार,फील्ड में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों को कठिन परिस्थितियों में काम करने के अनुकूल बनाया जाएगा। वरिष्ठ अधिकारियों के लिए स्मार्टफोन श्रेणी के उपकरण और अन्य जरूरतों के लिए स्थिर या वाहन में लगाए जाने वाले उपकरण प्रस्तावित हैं।

पूर्व सैनिकों, सैनिक विधवाओं व उनके आश्रितों के लिए आउटरीच कार्यक्रम

धर्मशाला, । जिला सैनिक कल्याण के संयुक्त निदेशक व सहायक आयुक्त कांगड़ा विवेक चौहान जिला के मैकेनाईज इन्फैंट्री रेज़िमेंट के सभी पेंशनधारक पूर्व सैनिकों, वीर नारियों व उनके आश्रितों को सूचित किया है कि उनकी पेंशन, स्पर्श पोर्टल और अन्य दस्तावेज़ी संबंधित समस्याओं के निवारण के लिए विशेष आउटरीच कार्यक्रम ÷निरंतर मिलाप 1.0 फेज-5÷ का आयोजन 28 अक्तूबर को प्रातः बजे सैनिक विश्राम गृह, धर्मशाला के परिसर में आयोजित किया जा रहा है।

उन्होंने रेजिमेंट के सभी संबंधित लाभार्थियों से अपनी समस्याओं के समाधान के लिए तय समय और स्थान पर पहुंचने का आग्रह किया है। इसके अलावा पैंशनधारक को अपने साथ डिस्चार्ज बुक, सभी पीपीओ, आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पास बुक सहित पैंशन सम्बन्धित दस्तावेज़ साथ लाने का अनुरोध किया है ताकि समस्या का मौके पर ही निदान सुनिश्चित किया जा सके।

27 अक्तूबर को विद्युत आपूर्ति बाधित

सोलन। हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड से प्राप्त जानकारी के अनुसार आवश्यक रख-रखाव के दृष्टिगत 27 अक्तूबर, 2026 को सोलन शहर के कुछ क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। यह जानकारी आज यहां बोर्ड के सहायक अधिशाषी अभियन्ता विपुल कश्यप ने दी। उन्होंने कहा कि 27 अक्तूबर, 2026 को प्रातः 11.00 बजे से दिन में 02.00 बजे तक सोलन तहसील के पिछले क्षेत्र, भगनाल परिसर, यूरो किड्स, सतीश लॉज, ब्लिंकिट स्टोर, नर्सरी, शिव मन्दिर तथा आस-पास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। विपुल कश्यप ने कहा कि खराब मौसम अथवा अन्य कारणों से उपरोक्त तिथि व समय में परिवर्तन किया जा सकता है। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों के लोगों से सहयोग की अपील की है।

डॉ. शांडिल 26 अक्तूबर को सोलन के प्रवास पर

सोलन। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मन्त्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल 26 अक्तूबर, 2026 को सोलन के प्रवास पर आ रहे हैं। कर्नल शांडिल 26 अक्तूबर को प्रातः 11.30 बजे सोलन में जन समस्याएं सुनेंगे।

धर्मशाला के अंतर्गत 27 अक्तूबर को बिजली बंद

धर्मशाला, । विद्युत उपमंडल-2, धर्मशाला के सहायक अभियंता लोकेश चौधरी ने जानकारी दी है कि विद्युत लाइनों के सामान्य रख-रखाव हेतु मन्दल, कोहाला, मसरेड, भडवाल, त्रेमब्लू, घियाणा खुर्द, उपरली बगली व अन्य साथ लगते क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। मौसम खराब होने पर उक्त कार्य अगले दिन किया जाएगा।

मक्लोडगंज विद्युत उपकेन्द्र की 28 अक्तूबर को बिजली बंद रहेगी

धर्मशाला, । विद्युत उपकेन्द्र मैक्लोडगंज के सहायक अभियंता रमन भरमौरिया ने जानकारी दी है कि विद्युत लाइनों के सामान्य रख-रखाव के चलते 28 अक्तूबर को प्रातः 9 बजे से शाम 5 बजे तक नड्डी, सतोबरी, बरनेटा, चांदमारी, भतल्ला, डलझील, तोतारानी, टेंगलमोड़, टीसीवी, भागसू नाग, धर्मकोट, हीरू, गल्लू, मैक्लोडगंज मुख्य बाजार, जोगीवाड़ा, दुसालनी, टिप्पा रोड, फलसेटगंज, दलाई लामा मंदिर और इसके आसपास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। मौसम खराब होने पर उक्त कार्य अगले दिन किया जाएगा।

सफलता के लिए समय प्रबंधन, अनुशासन और संस्कार आवश्यक रू डॉ. नरेश कुमार शर्मा

धर्मशाला, । रीजनल सेंटर हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय धर्मशाला में गणित एवं अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को 'सफलता के स्तंभ हैं संस्कार' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला के अंग्रेजी विभाग के सेवानिवृत्त प्रोफेसर एवं पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. नरेश कुमार शर्मा ने मुख्य वक्ता के रूप में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। डॉ. नरेश कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि समय का सदुपयोग, अनुशासन, निरंतर परिश्रम और सकारात्मक दृष्टिकोण सफलता के प्रमुख आधार हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन में किया गया परिश्रम ही भविष्य में सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने विद्यार्थियों को अध्ययन के प्रति समर्पित रहने तथा विद्यार्थी जीवन में ही अपने भविष्य के लक्ष्य निर्धारित करने का आह्वान किया। उन्होंने मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के अनावश्यक उपयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इनके अत्यधिक प्रयोग से विद्यार्थियों का बहुमूल्य समय नष्ट होता है। मोबाइल फोन का सीमित एवं उचित उपयोग ज्ञानवर्धन, कौशल विकास और व्यक्तित्व निर्माण में सहायक हो सकता है। शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, अनुशासन, पारस्परिक सम्मान और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी है। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय क्षेत्रीय केंद्र, धर्मशाला के निदेशक प्रो. कुलदीप कुमार अत्री ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक आयोजन विद्यार्थियों में ज्ञान, नैतिक मूल्यों और अनुशासन की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर विधि विभाग के प्राचार्य प्रो. डी. पी. वर्मा, डॉ. विजयता पठानिया, डॉ. तिलक राज शर्मा, डॉ. किशोर कुमार, डॉ. श्वेता पठानिया, डॉ. राम रतन, श्रीमती कंचन बाला तथा डॉ. विपन कुमार सहित अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कोल डैम में एडवेंचर वॉटर स्पोर्ट्स गतिविधियों का किया शुभारंभ

ऐहन से तत्तापानी तक लगभग 35 किलोमीटर के जलाशय क्षेत्र में विकसित होंगी जल क्रीड़ा गतिविधियां

स्थानीय युवाओं को मिलेंगे रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज शिमला से वर्चुअल माध्यम द्वारा जिला मंडी के ऐहन में कोल डैम जलाशय में एडवेंचर वॉटर स्पोर्ट्स गतिविधियों का शुभारंभ किया। ऐहन से तत्तापानी तक लगभग 35 किलोमीटर के जलाशय क्षेत्र में इन गतिविधियों के विस्तार से पर्यटकों को रोमांचक अनुभव प्राप्त होंगे। इसके साथ स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। राज्य सरकार ने कोल डैम जलाशय की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यटन की अपार संभावनाओं को देखते हुए यहां साहसिक जल क्रीड़ा गतिविधियों का विस्तार करने का निर्णय लिया है। इस पहल के तहत पर्यटकों के लिए स्पीड बोट, जेट स्की, बनाना बोट, बंपर राइड और 20 यात्रियों की क्षमता वाला मिनी क्रूज सहित विभिन्न आकर्षक गतिविधियां उपलब्ध होंगी। इससे पर्यटक जलाशय की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने के साथ रोमांचक अनुभव भी प्राप्त कर सकेंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है और वॉटर स्पोर्ट्स इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। पर्यटन क्षेत्र से लाखों परिवारों को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं, वहीं इससे राज्य के राजस्व में भी वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इससे पहले बिलासपुर में भी इस प्रकार की गतिविधियां शुरू कर चुकी है। सरकार का लक्ष्य हिमाचल प्रदेश को पर्यटन के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाना है।

इस अवसर पर पूर्व मुख्य संसदीय सचिव सोहन सिंह ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री की सोच आज धरातल पर साकार हुई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में राज्य सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन गतिविधियों के शुरू होने से क्षेत्र में पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा और स्थानीय लोगों की आय में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हिमाचल प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहे हैं।

इस अवसर पर शिमला में विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी, राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष भवानी सिंह पठानिया और महाधिवक्ता अनूप रतन उपस्थित थे। वहीं, जिला मंडी के ऐहन में जल प्रबंधन बोर्ड के उपाध्यक्ष शशि शर्मा, उपायुक्त अपूर्व देवगन और अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

प्रदेश सरकार 10 और 20 किलोग्राम के कार्टन पर किसानों को दे रही 50 प्रतिशत अनुदान

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज पांगी घाटी में प्राकृतिक खेती के माध्यम से उत्पादित सेबों के लिए 'पांगी एप्पल' ब्रांड लॉन्च किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य में प्राकृतिक खेती को व्यापक स्तर पर बढ़ावा दे रही है। 'पांगी एप्पल' ब्रांड के लॉन्च होने से पांगी क्षेत्र में उत्पादित सेब को एक विशिष्ट पहचान मिलेगी। साथ ही स्थानीय उत्पादों के लिए अलग बाजार विकसित करने में भी मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पांगी उपमंडल को प्रदेश का पहला प्राकृतिक खेती उपमंडल घोषित किया गया है। यह पहल क्षेत्र की स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ इस दूरदराज जनजातीय क्षेत्र को आर्थिक अवसरों और जीवन की गुणवत्ता के मामले में प्रदेश के अन्य क्षेत्रों के समकक्ष लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

उन्होंने कहा कि पांगी में लगभग 370 हेक्टेयर भूमि पर सेब के 1,04,000 से अधिक पौधे लगाए गए हैं। इस सीजन में (लगभग 550 मीट्रिक टन) 35,000 पेटियां सेब उत्पादन होने की उम्मीद है। अब तक पांगी में उत्पादित सेबों को घाटी से बाहर 'कुल्लू एप्पल' या 'किन्नौर एप्पल' के नाम से ब्रांडिंग किए गए कार्टन में बेचने के लिए भेजा जाता था, जिससे पांगी के अपने सेबों को अलग पहचान नहीं मिल पाती थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए 'पांगी एप्पल' नाम से विशेष कार्टन तैयार किए गए हैं, जो 20 किलोग्राम और 10 किलोग्राम की क्षमता में उपलब्ध होंगे। ये कार्टन किसानों को 50 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। इस पहल से पांगी के सेबों की विशिष्ट पहचान स्थापित करने, प्राकृतिक खेती से उत्पादित फलों को प्रोत्साहित करने तथा बाजार में उनकी पहचान और मांग बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने राज्य वन्यजीव बोर्ड की 12वीं बैठक की अध्यक्षता की

वन्यजीव विंग से बंदरों की संख्या का पंचायतवार डेटा मांगा

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज यहां हिमाचल प्रदेश राज्य वन्यजीव बोर्ड की 12वीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में औद्योगिक विकास, सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण सीमावर्ती आधारभूत अधोसंरचना, सड़क सुविधा, गैर-वानिकी कार्यों के लिए वन भूमि के उपयोग तथा वन्यजीव संरक्षण से संबंधित विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की गई। इन प्रस्तावों पर विकास की आवश्यकताओं, राष्ट्रीय सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीव संरक्षण को ध्यान में रखते हुए विचार-विमर्श किया गया।

बोर्ड ने जिला कांगड़ा के संसारपुर टैरेस औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1 में प्लॉट नंबर 53 और 54 पर मैसर्स सीएमजी बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सक्रिय औषधि सामग्री (एपीआई) और इंटरमीडिएट्स निर्माण इकाई स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की।

बैठक में लाहौल-स्पीति जिले की स्पीति तहसील के मुहाल लालुंग और धार चोकुला काजा में बॉर्डर आउट पोस्ट लालुंग की स्थापना के लिए जिला किन्नौर के रिकांगपिओ स्थित भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की 17वीं बटालियन के पक्ष में 1.78.20 हेक्टेयर वन भूमि के हस्तांतरण के प्रस्ताव पर भी चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त, जिला किन्नौर में फॉरवर्ड पोस्ट निथल थाच की स्थापना के लिए कुल्लू स्थित आईटीबीपी की दूसरी बटालियन के पक्ष में 1.60 हेक्टेयर वन भूमि के हस्तांतरण के प्रस्ताव पर भी विचार किया गया। बोर्ड के समक्ष जिला किन्नौर की सांगला तहसील में नागस्ती के समीप उत्तरी सीमा पर सैन्य आधारभूत ढांचे के विकास के लिए रकछम-छितकुल वन्यजीव अभयारण्य के भीतर 00-27-50 हेक्टेयर वन भूमि 11 महार रेजिमेंट/मुख्यालय 136 (स्वतंत्र) इन्फैंट्री ब्रिगेड समूह के पक्ष में हस्तांतरित करने का प्रस्ताव भी रखा गया।

बैठक में मैसर्ज गोयल फर्नेस प्राइवेट लिमिटेड की मौजूदा सेकेंडरी मेटलर्जिकल इकाई के विस्तार प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। इस विस्तार के तहत एमएस इंगोट्स की उत्पादन क्षमता 19,200 टन प्रतिवर्ष से बढ़ाकर 96,600 टन प्रतिवर्ष करने का प्रस्ताव है। इसके साथ ही अतिरिक्त इंडक्शन फर्नेस, कंटीन्यूअस कास्टिंग मशीन और रोलिंग मिल स्थापित कर 77,280 टन प्रतिवर्ष राउंड, एंगल, चैनल, टीएमटी बार और फ्लैट्स का उत्पादन किया जाएगा। मंडी जिले के सराज वन मंडल में शिकारी देवी वन्यजीव अभ्यारण्य के भीतर भुलाह-शिकारी देवी सड़क के विस्तारीकरण और उन्नयन के लिए हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग, सराज मंडल के पक्ष में 4.72 हेक्टेयर वन भूमि हस्तांतरित करने के प्रस्ताव पर भी विचार किया गया। विस्तृत विचार-विमर्श के बाद लागू वैधानिक प्रावधानों तथा वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इन सभी प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई। बैठक में मंडी जिले के सुकेत वन मंडल में कीरतपुर-मनाली फोरलेन राष्ट्रीय राजमार्ग-154 के पुंग-भुवाणा टनल खंड पर सड़क दुर्घटनाओं के कारण वन्यजीवों की क्षति की बढ़ती घटनाओं को रोकने के उपायों पर भी चर्चा की गई। इस दौरान वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और सड़क दुर्घटनाओं में उनकी क्षति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। मुख्यमंत्री ने वन्यजीव विंग से बंदरों की संख्या के पंचायतवार डेटा के बारे में जानकारी मांगी। उन्होंने कांगड़ा जिले के देहरा स्थित बनखंडी में निर्माणाधीन दुर्गेश अरण्य प्राणी उद्यान की प्रगति की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हिमाचल प्रदेश वन विभाग के वन्यजीव विंग द्वारा हिमाचल प्रदेश डाक परिमंडल, शिमला के सहयोग से जारी दो पोस्टकार्ड श्रृंखलाओं 'हिमाचल्स वाइल्ड आइकॉन्स' और 'हिमाचल्स वाइल्ड हेरिटेज' का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री ने प्रधान मुख्य अरण्यपाल (हॉफ) डॉ. संजय सूद द्वारा लिखित पुस्तक 'सिंप्लिफाइड प्रोसीजर्स फॉर एनालिसिस ऑफ फिजियो केमिकल टैस्ट्स इन वाटर सैंपल्स' का भी विमोचन किया।

मुख्यमंत्री ने प्राकृतिक खेती से उत्पादित 'पांगी एप्पल' ब्रांड लॉन्च किया

प्रदेश सरकार 10 और 20 किलोग्राम के कार्टन पर किसानों को दे रही 50 प्रतिशत अनुदान

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज पांगी घाटी में प्राकृतिक खेती के माध्यम से उत्पादित सेबों के लिए 'पांगी एप्पल' ब्रांड लॉन्च किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य में प्राकृतिक खेती को व्यापक स्तर पर बढ़ावा दे रही है। 'पांगी एप्पल' ब्रांड के लॉन्च होने से पांगी क्षेत्र में उत्पादित सेब को एक विशिष्ट पहचान मिलेगी। साथ ही स्थानीय उत्पादों के लिए अलग बाजार विकसित करने में भी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पांगी उपमंडल को प्रदेश का पहला प्राकृतिक खेती उपमंडल घोषित किया गया है। यह पहल क्षेत्र की स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ इस दूरदराज जनजातीय क्षेत्र को आर्थिक अवसरों और जीवन की गुणवत्ता के मामले में प्रदेश के अन्य क्षेत्रों के समकक्ष लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि पांगी में लगभग 370 हेक्टेयर भूमि पर सेब के 1,04,000 से अधिक पौधे लगाए गए हैं। इस सीजन में (लगभग 550 मीट्रिक टन) 35,000 पेटियां सेब उत्पादन होने की उम्मीद है। अब तक पांगी में उत्पादित सेबों को घाटी से बाहर 'कुल्लू एप्पल' या 'किन्नौर एप्पल' के नाम से ब्रांडिंग किए गए कार्टन में बेचने के लिए भेजा जाता था, जिससे पांगी के अपने सेबों को अलग पहचान नहीं मिल पाती थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए 'पांगी एप्पल' नाम से विशेष कार्टन तैयार किए गए हैं, जो 20 किलोग्राम और 10 किलोग्राम की क्षमता में उपलब्ध होंगे। ये कार्टन किसानों को 50 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। इस पहल से पांगी के सेबों की विशिष्ट पहचान स्थापित करने, प्राकृतिक खेती से उत्पादित फलों को प्रोत्साहित करने तथा बाजार में उनकी पहचान और मांग बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

उन्होंने कहा कि यह पहल प्राकृतिक खेती के माध्यम से पांगी को प्रदेश का पहला रसायन-मुक्त उपमंडल बनाने की राज्य सरकार की परिकल्पना का अहम हिस्सा है। इससे क्षेत्र के लगभग 6,300 कृषक परिवारों की आजीविका सुदृढ़ होगी, स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा तथा इस दूरदराज जनजातीय क्षेत्र के लोगों के लिए आर्थिक उन्नति के नए अवसर सृजित होंगे।

इस अवसर पर राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी, राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष भवानी सिंह पठानिया, उप-मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया, आवासीय आयुक्त अमनदीप सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

एग्री मशीनरी पोर्टल 25 अक्तूबर से पुनः होगा सक्रिय, किसान 29 अक्तूबर तक कर सकेंगे आवेदन

शिमला। कृषि विभाग के एक प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि कृषि अभियांत्रिकी के अंतर्गत प्रदेश में कृषि के मशीनीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कृषि मशीनरी पोर्टल को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 25 अक्तूबर, 2026 को दोपहर 12 बजे से पुनः सक्रिय किया जा रहा है। इसके माध्यम से पात्र किसान विभिन्न कृषि उपकरणों एवं मशीनरी की खरीद के अनुदान के लिए आवेदन कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार पहाड़ी क्षेत्रों में खेती को अधिक सुगम, आधुनिक एवं लाभकारी बनाने के लिए किसानों को पावर टिलर, पावर वीडर सहित विभिन्न कृषि उपकरण उपलब्ध करवा रही है। कृषि विभाग द्वारा सब-मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन के अंतर्गत किसानों को कृषि उपकरणों की खरीद पर अनुदान प्रदान किया जाता है। इच्छुक किसान विभाग के डीबीटी पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

प्रवक्ता ने बताया कि पोर्टल 25 अक्तूबर, 2026 को दोपहर 12 बजे से सक्रिय होगा तथा किसान 29 अक्तूबर, 2026 तक आवेदन कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग की वॉकाथान को दिखाई हरी झंडी

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के खेल एवं सांस्कृतिक क्लब के शुभारम्भ अवसर पर अपने सरकारी आवास ओक-ओवर शिमला से इंदिरा गांधी राज्य खेल परिसर शिमला तक वॉकाथान को झंडी दिखाकर रवाना किया। इस वॉकाथान में निदेशालय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस क्लब के गठन का मुख्य उद्देश्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों में शारीरिक फिटनेस, मानसिक स्वास्थ्य, खेल भावना, सांस्कृतिक गतिविधियों और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देना है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि क्लब कर्मचारियों के बीच टीम वर्क, अनुशासन, आपसी सहयोग और भाईचारे की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए खेल टूर्नामेंट, एथलेटिक प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम और मनोरंजक गतिविधियां आयोजित करने में अहम भूमिका निभाएगा।

ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि क्लब खेल सांस्कृतिक प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें निखारने, पारंपरिक हिमाचली संस्कृति को बढ़ावा देने, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करने तथा विभागीय कर्मियों के बीच एकता और सद्भाव को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे स्वस्थ, सक्रिय और सकारात्मक कार्य वातावरण के साथ-साथ अधिकारियों और कर्मचारियों का कल्याण और सर्वांगीण विकास होगा।

इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल, राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी, सचिव स्वास्थ्य आशीष सिंहमार, निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. गोपाल बेरी तथा अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO. HARHIN/2002/08034, Postal Regd. No. HR/AB/54/23-25, हिन्द जनपथ के लिए स्वामी, सम्पादक एवं प्रकाशक एकान्ति रॉय गर्ग द्वारा बूथ नंबर 437-पी, सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित एवं इम्प्रैशन प्रिंटिंग एण्ड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लाट नं. 22, इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-2, पंचकूला से मुद्रित। सभी विवादों का न्यायाधिकार क्षेत्र पंचकूला होगा। Mob. 9915606900 email: hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com

हरियाणा में 219.91 करोड़ के विकास कार्यों को मंजूरी, बोलीदाताओं से नेगोसिएशन से 18.81 करोड़ की बचत

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में उच्चाधिकार प्राप्त कार्य क्रय समिति की बैठक में लिए गए निर्णय

ठोस कचरा प्रबंधन, सड़क निर्माण, जलापूर्ति और शहरी आधारभूत ढांचे से जुड़े विकास कार्यों को मिली स्वीकृति

जगदीप शर्मा, चंडीगढ़, । हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में शनिवार को चंडीगढ़ में आयोजित उच्चाधिकार प्राप्त कार्य क्रय समिति की बैठक में ?219.91 करोड़ की लागत के विकास कार्यों को मंजूरी प्रदान की गई। इन कार्यों के लिए विभिन्न एजेंसियों द्वारा ?233.68 करोड़ की राशि की बोली लगाई गई थी। नेगोसिएशन के माध्यम से सरकार ने ?18.81 करोड़ की बचत सुनिश्चित की गई। बैठक में शहरी स्थानीय निकाय मंत्री श्री विपुल गोयल भी उपस्थित रहे।

बैठक में शहरी स्थानीय निकाय विभाग से संबंधित ठोस कचरा प्रबंधन, सड़कों के निर्माण एवं मरम्मत,

जलापूर्ति, सीवरेज, जल निकासी, स्ट्रीट लाइटिंग, ग्रीन बेल्ट, पार्कों तथा अन्य शहरी आधारभूत सुविधाओं से जुड़े प्रस्तावों पर विचार किया गया। बैठक में कुल 13 एजेंडे प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 11 को मंजूरी दी गई, जबकि दो प्रस्ताव स्थगित रखे गए।

समिति ने नारनौल क्लस्टर में प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले शहरी ठोस कचरे के प्रसंस्करण के लिए ?18.70 करोड़ की परियोजना को मंजूरी दी। इस परियोजना के अंतर्गत नारनौल, महेंद्रगढ़, कनीना, नांगल चौधरी और अटेली मंडी को शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, गुरुग्राम में ठोस कचरा प्रसंस्करण परियोजना को ?38.79 करोड़ की लागत पर तथा फरीदाबाद के प्रतापगढ़ गांव में इसी प्रकार की परियोजना को ?17.14 करोड़ की लागत पर स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में हिसार शहर में दूध की डेयरियों को निर्धारित स्थान पर स्थानांतरित करने से संबंधित परियोजना को भी मंजूरी दी गई। इसके अलावा, ग्रीन बेल्ट और पार्कों के अपग्रेडेशन, मरम्मत एवं रखरखाव के कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई। इनमें नवस्वीकृत कॉलोनियों के पार्क तथा दिव्यांगजनों की आवश्यकताओं के अनुरूप पार्कों से संबंधित कार्य भी शामिल हैं। बैठक में नगर निगम पानीपत के वार्ड नंबर 20 में ?17.94 करोड़ की लागत से बैंक्वेट हॉल के निर्माण को मंजूरी दी गई। वहीं, पलवल में आगरा चौक से श्रद्धानंद पार्क के अंतिम छोर तक सड़क के दोनों ओर मॉडल रोड के निर्माण के लिए ?9.28 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई।

मंडियों में सुचारू रूप से चल रहा है धान की खरीद और उठान का कार्य

अब तब पंचकूला की मंडियों में 51003 मीट्रिक टन धान की खरीद और 38238 मीट्रिक टन धान का हुआ उठान

पंचकूला, ।जिला में खरीफ सीजन 2026-27 के दौरान सरकारी खरीद एजंसियों द्वारा धान की खरीद का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। अब तब जिला में 51003 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है। वही 38238 मीट्रिक टन धान का उठान किया गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि खरीफ सीजन 2026-27 में जिला में दो सरकारी खरीद एजंसियों- हैफेड तथा हरियाणा वेयरहाउसिंग कारपोरेशन द्वारा धान की खरीद की जा रही है। उन्होने बताया कि हैफेड द्वारा पंचकूला अनाज मंडी में 3611 मीट्रिक टन, बरवाला में 18260 मीट्रिक टन और रायपुररानी में 10702 मीट्रिक टन, एचएसआईआईडीसी अलीपुर में 4700 मीट्रिक टन और एचएसआईआईडीसी रायपुररानी में 1638 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है। इसी प्रकार हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोरेशन द्वारा बरवाला में 5992 मीट्रिक टन और रायपुररानी में 6100 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई। उन्होंने बताया कि वहीं हेफेड द्वारा पंचकूला अनाजमंडी से 2842 मीट्रिक टन, बरवाला अनाज मंडी मे 14773 मीट्रिक टन, रायपुररानी अनाजमंडी से 8649 मीट्रिक टन और एचएसआईआईडीसी अलीपुर द्वारा 2588 मीट्रिक टन धान और एचएसआईआईडीसी रायपुररानी से 827 मीट्रिक टन धान का उठान किया गया। इसी दौरान हरियाणा वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन द्वारा बरवाला से 3714 मीट्रिक टन और रायपुररानी से 4845 मीट्रिक टन धान का उठान किया गया है।

किसानों को मंडियों में जरूरी सुविधाएं प्रदान करना सरकार की प्राथमिकता : श्याम सिंह राणा

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने बेरी अनाज मंडी में बाजरा व धान खरीद का लिया जायजा, अधिकारियों को दिए निर्देश

चंडीगढ़, । हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने शनिवार की सुबह झज्जर बेरी अनाज मंडी का दौरा कर बाजरा व धान की खरीद व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने खरीद प्रक्रिया का निरीक्षण करते हुए किसानों और आढ़तियों से बातचीत भी की। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को अपनी फसल बेचने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। खरीद प्रक्रिया पारदर्शी, सुचारू और समयबद्ध ढंग से पूरी की जाए तथा किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए।

केंद्र और प्रदेश सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्धः कृषि मंत्री ने अनाज मंडी परिसर स्थित मार्केट कमेटी कार्यालय में संबंधित विभागों और खरीद एजेंसियों के अधिकारियों के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार किसानों के हितों की रक्षा करने तथा उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मंडियों में किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाना और उनकी फसल की निर्धारित नियमों के अनुसार खरीद सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

खरीद से लेकर भुगतान तक व्यवस्थाएं दुरुस्त रखें अधिकारी: मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि मंडियों में फसल खरीद के साथ-साथ उठान, भंडारण और भुगतान की व्यवस्था भी सुचारू बनी रहनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडियों में आने वाले किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुना जाए और उनका समयबद्ध समाधान किया जाए। सभी खरीद एजेंसियां निर्धारित नियमों की पालना सुनिश्चित करते हुए आपसी तालमेल के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि खरीद व्यवस्था की नियमित निगरानी की जाए और मंडियों में फसल का अनावश्यक जमाव न होने दिया जाए। उन्होंने कहा कि फसल का समय पर उठान सुनिश्चित किया जाए, ताकि मंडी में आने वाले अन्य किसानों को भी अपनी उपज उतारने और बेचने में सुविधा मिल सके।

बुनियादी सुविधाओं और माजरा खरीद केंद्र पर दिया जोर

कृषि मंत्री ने बेरी अनाज मंडी में बिजली, पेयजल, छाया, शौचालय और साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने अटल कैंटीन की व्यवस्था का भी विशेष ध्यान रखने को कहा, ताकि मंडी में आने वाले किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके अलावा माजरा खरीद केंद्र पर भी किसानों के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि किसानों को मंडियों में बेहतर वातावरण और सुविधाएं उपलब्ध करवाना संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है। इसके लिए सभी विभाग नियमित निगरानी रखें और व्यवस्था में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाएं।

राखीगढ़ी की विरासत हमारी ऐतिहासिक पहचान, इसे सहेजना हम सबकी जिम्मेदारी : श्री कृष्ण लाल पवार

विधानसभा के डिप्टी स्पीकर ने भी किया दौरा

मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री भारत भूषण भारती तथा डेक्कन विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति ने भी रखे विचार

जगदीप शर्मा, चंडीगढ़ , हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि राखीगढ़ी की ऐतिहासिक धरती हमारी प्राचीन सभ्यता, ज्ञान, कौशल और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की पहचान है। यहां मिले पुरातात्विक अवशेष हजारों वर्ष पुराने मानव जीवन और विकसित नगरीय व्यवस्था की जानकारी देते हैं। इस धरोहर का संरक्षण करना और इसके ऐतिहासिक महत्व को देश-दुनिया तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है। श्री कृष्ण लाल पंवार शनिवार को हांसी जिला के गांव राखीगढ़ी में आयोजित ÷अंतरराष्ट्रीय राखीगढ़ी महोत्सव÷ के अंतर्गत आयोजित अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने देश भर से आए तथा विदेश से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े इतिहासकारों, पुरातत्वविदों, शिक्षाविदों, प्रशासनिक अधिकारियों और अन्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन विशेषज्ञों को अपने शोध और अनुभव साझा करने का अवसर प्रदान करते हैं। इससे राखीगढ़ी की ऐतिहासिक महत्ता को व्यापक स्तर पर समझने और प्रचारित करने में मदद मिलती है। श्री कृष्ण लाल पवार ने आगे कहा कि हरियाणा की पहचान कृषि, खेल और देश की सेवा में जवानों के योगदान के साथ-साथ इसकी समृद्ध लोक संस्कृति और ऐतिहासिक धरोहरों से भी है। प्रदेश की रागनियां, लोकगीत, पारंपरिक खानपान और ग्रामीण जीवन हमारी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को दर्शाते हैं। राखीगढ़ी इस विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए।

उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे आधुनिक शिक्षा, विज्ञान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों से भी जुड़े रहें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को राखीगढ़ी जैसे ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण करना चाहिए, ताकि वे पुस्तकों में पढ़े गए इतिहास को पुरातात्विक साक्ष्यों के माध्यम से बेहतर ढंग से समझ सकें। इंटरनेशनल कांफ्रेंस में मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री भारत भूषण भारती, हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री राजेश ठकराल, हरियाणा वेयरहाउस कॉरपोरेशन के अध्यक्ष श्री रामकिशन, पुरातत्वविद डॉ कुलदीप अग्निहोत्री सहित अनेक विद्वानों ने अपने विचार साझा किए और राखीगढ़ी के महत्व के बारे में बताया।

डिप्टी स्पीकर श्री कृष्ण लाल मिढ़ा ने भी किया दौरा

हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर श्री कृष्ण लाल मिढ़ा ने भी अंतरराष्ट्रीय राखीगढ़ी महोत्सव में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने राखीगढ़ी में उत्खनन के दौरान प्राप्त हड़प्पा सभ्यता की प्राचीन वस्तुओं पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। साथ ही विभिन्न विभागों, स्वयं सहायता समूहों और उद्यमियों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर वहां प्रदर्शित उत्पादों एवं गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। स्टॉल संचालकों से संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि महोत्सव में स्वदेशी उत्पादों की आकर्षक प्रदर्शनी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के स्वदेशी अपनाने के विजन को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। ऐसे आयोजन स्थानीय कारीगरों, उद्यमियों और स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों के प्रचार-प्रसार एवं बिक्री के लिए बेहतर मंच प्रदान करते हैं।

सूरजकुंड दिवाली मेला-2026 ~फूलों और सजावटी पौधों की नर्सरी बनी आकर्षण का केंद्र

जगदीप शर्मा, चंडीगढ़, । फरीदाबाद सूरजकुंड परिसर में आयोजित तृतीय दिवाली मेला-2026 में इस बार विभिन्न प्रजातियों के सुंदर एवं आकर्षक पौधों की नर्सरी पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनी हुई है। मेले में खुशबू नर्सरी द्वारा घर, आंगन, बालकनी और कार्यालयों की सुंदरता बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रकार के सजावटी पौधे उपलब्ध कराए गए हैं।

नर्सरी में किफायती दामों पर गुलाब के अनेक प्रकार के पौधों के साथ-साथ मनी प्लांट और विभिन्न प्रजातियों के फूलों एवं सजावटी पौधों की विस्तृत श्रृंखला मौजूद है। पर्यटक अपनी पसंद और आवश्यकता के अनुसार पौधों की खरीदारी कर रहे हैं। दिवाली के अवसर पर अपने घरों और कार्यस्थलों को हरियाली तथा प्राकृतिक सुंदरता से सजाने के इच्छुक लोगों के लिए यह नर्सरी विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। दिवाली के त्योहार पर सजावटी पौधे न केवल घरों की सुंदरता बढ़ाते हैं, बल्कि पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश भी देते हैं। ऐसे में सूरजकुंड दिवाली मेले में उपलब्ध विभिन्न प्रकार के पौधे प्रकृति प्रेमियों और बागवानी के शौकीनों के लिए खरीदारी का बेहतरीन विकल्प बनी हुई है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व तथा पर्यटन एवं विरासत मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में सूरजकुंड परिसर में तृतीय सूरजकुंड दिवाली मेला-2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला 26 अक्टूबर 2026 तक जारी रहेगा। मेले में खरीदारी, सजावट और पारंपरिक उत्सव के माहौल के बीच पौधों की नर्सरी पर्यटकों को प्रकृति से जुडने तथा अपने परिवेश को हरा-भरा बनाने का अवसर प्रदान कर रही है।

सूरजकुंड दिवाली मेले में नगाड़ों की थाप और बीन की सुरीली धुन पर झूम रहे पर्यटकः लोक कला और भारतीय सांस्कृतिक विरासत को उजागर करने के उद्देश्य से सूरजकुंड परिसर में आयोजित तृतीय सूरजकुंड दिवाली मेला-2026 पर्यटकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। मेले में नगाड़ों की गूंजती थाप और बीन की सुरीली धुनें यहां आने वाले पर्यटकों को झूमने पर मजबूर कर रही हैं। पारंपरिक वाद्य यंत्रों की मधुर स्वर लहरियों के बीच पर्यटक मेले का भ्रमण करते हुए लोक संस्कृति और संगीत का आनंद ले रहे हैं।

हरियाणा में खेल प्रतिभाओं का सम्मान~30 अक्टूबर को भिवानी में राज्य स्तरीय समारोह

185 करोड़ रूपये के नकद पुरस्कारों से नवाजे जाएंगे एशियाई और पैरा एशियाई विजेता

चंडीगढ़, ।हरियाणा की खेल नीति और खिलाड़ियों की उपलब्धियों में एक और स्वर्ण अध्याय जुड़ने जा रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा आगामी 30 अक्टूबर को भिवानी के भीम स्टेडियम में राज्य स्तरीय सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस समारोह में जापान में आयोजित एशियाई और पैरा एशियाई खेल-2026 के पदक विजेता एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों को नकद पुरस्कारों और सरकारी नौकरियों से सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम की रूपरेखा की जानकारी देते हुए हरियाणा के खेल एवं युवा मामले राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम ने बताया कि इस समारोह के मुख्य अतिथि हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी होंगे, जो अपने हाथों से खिलाड़ियों को सम्मानित करेंगे। वहीं, खेल राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

संत महापुरुषों की शिक्षाओं को अपनाकर ही संभव है मानव कल्याण : श्री कृष्ण कुमार बेदी

चंडीगढ़ , हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि संत महापुरुषों ने हमेशा समाज को समरसता, समानता और भाईचारे का संदेश दिया है। उनकी शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं। संत महापुरुषों के बताए रास्ते पर चलकर ही मानव कल्याण के साथ समाज और राष्ट्र की उन्नति संभव है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को आपसी भाईचारे, सद्भाव और परोपकार की भावना अपनानी चाहिए। श्री कृष्ण कुमार बेदी शनिवार को जींद जिला के गांव पीपलथा और नारायणगढ़ में महर्षि वाल्मीकि प्रकट दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संत महापुरुषों की शिक्षाएं समाज को सही दिशा दिखाती हैं। उनके विचारों को जीवन में अपनाकर सामाजिक भेदभाव को दूर किया जा सकता है और समाज में एकता को मजबूत बनाया जा सकता है। महर्षि वाल्मीकि ने अपने जीवन और विचारों से समाज को मानवता, सदाचार और समानता का मार्ग दिखाया। उनके आदर्शों को अपनाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार संत महापुरुषों की शिक्षाओं से प्रेरणा लेते हुए गरीब और जरूरतमंद लोगों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना और लाडो लक्ष्मी योजना इसके उदाहरण हैं उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश सरकार युवा, गरीब, किसान और महिलाओं के सम्मान तथा उत्थान को प्राथमिकता दे रही है। युवाओं को बिना पर्ची और बिना खर्ची के योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरी दी जा रही है, जिससे उनमें रोजगार के प्रति विश्वास बढ़ा है। वहीं, किसानों की फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद सुनिश्चित करने के साथ उनकी भुगतान राशि भी निर्धारित समय में सीधे बैंक खातों में भेजी जा रही है।

महाविद्यालय में संयुक्त राष्ट्र दिवस पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

संयुक्त राष्ट्र दिवस पर विद्यार्थियों ने परखी अंतरराष्ट्रीय मामलों की समझ

50 विद्यार्थियों ने लिया भाग, विजेता टीमों को नकद पुरस्कार

पंचकूला । राजकीय महाविद्यालय कालका की प्राचार्या डॉ सीमा सिंह के कुशल नेतृत्व में संयुक्त राष्ट्र दिवस पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रस्तुत कार्यक्रम का आयोजन राजनीति विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर सुनीता चौहान और इतिहास विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर गुरमीत के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना, उसके उद्देश्यों, कार्यप्रणाली तथा विश्व शांति, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और मानवाधिकारों के संरक्षण में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका से परिचित करवाना था।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को बताया गया कि प्रत्येक वर्ष 24 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र दिवस मनाया जाता है। इसी दिन वर्ष 1945 में संयुक्त राष्ट्र चार्टर लागू हुआ था और संयुक्त राष्ट्र संघ की औपचारिक स्थापना हुई थी। संयुक्त राष्ट्र संघ का प्रमुख उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा बनाए रखना, विभिन्न देशों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देना, मानवाधिकारों की रक्षा करना तथा वैश्विक समस्याओं के समाधान के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहित करना है। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में संयुक्त राष्ट्र संघ के इतिहास, स्थापना, प्रमुख उद्देश्यों, प्रमुख अंगों, सदस्य देशों, सुरक्षा

परिषद, महासभा, अंतरराष्ट्रीय न्यायालय, यूनेस्को, विश्व स्वास्थ्य संगठन तथा यूनिसेफ जैसे संगठनों से संबंधित प्रश्न शामिल किए गए। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों से मानवाधिकार, सतत विकास लक्ष्य, पर्यावरण संरक्षण, गरीबी उन्मूलन, लैंगिक समानता और विश्व शांति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी प्रश्न पूछे गए।

कुल 50 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रथम स्थान पर मनदीप, कशिश, पूनम की टीम रही, द्वितीय स्थान पर समृद्धि, अंशिका, इतिका की टीम रही, तृतीय स्थान पर सायना, भावना, पूनम की टीम रही। तीनों विजेता टीमों को नकद पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया। प्रस्तुत कार्यक्रम को सफल बनाने में एसोसिएट प्रोफेसर वंदिता शर्मा, डॉ रविंदर शयोराण, डॉ वीरेंद्र अटवाल, डॉक्टर बिंदु शर्मा, डॉक्टर जगपाल का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी ज्ञानवर्धक जानकारी, त्वरित निर्णय क्षमता और तार्किक सोच का परिचय दिया। प्रश्नोत्तरी के माध्यम से विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम से परे अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों एवं वैश्विक मुद्दों की जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिला। इस गतिविधि ने विद्यार्थियों में सामान्य ज्ञान के प्रति रुचि विकसित करने के साथ-साथ उनके आत्म विश्वास, बौद्धिक क्षमता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को भी प्रोत्साहित किया।

पंचकूला में बाल दिवस प्रतियोगिताओं का आयोजन, 18 स्कूलों के 130 बच्चों ने लिया भाग

पंचकूला, ।जिला बाल कल्याण परिषद, पंचकूला की ओर से बाल दिवस के उपलक्ष्य में ब्लू बर्ड हाई स्कूल, सेक्टर-16, पंचकूला में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें दीया एवं कैंडल डेकोरेशन, थाली पूजन एवं कलश डेकोरेशन, प्रश्नोत्तरी तथा भाषण प्रतियोगिताएं प्रमुख रहीं। इन प्रतियोगिताओं में पंचकूला के कुल 18 स्कूलों के 130 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिला बाल कल्याण अधिकारी श्रीमती शिवानी सूद ने बताया कि बच्चों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें अपनी कला एवं हुनर का प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से परिषद की ओर से हर वर्ष इन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है।

उन्होंने कहा कि बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। ऐसे आयोजनों से उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ आत्मविश्वास बढ़ाने का अवसर भी मिलता है। उन्होंने बच्चों को अपनी रुचि और हुनर को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रतियोगिताओं के निर्णायक मंडल में राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर-20, पंचकूला की श्रीमती शारदा, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर-15, पंचकूला के श्री रविंदर तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कोट, पंचकूला के डॉ. अनिरुद्ध भट्ट शामिल रहे।

संपादकीय

बच्चों के कुपोषण की समस्या एक गंभीर चुनौती

कुपोषण न केवल बच्चों के शारीरिक विकास को प्रभावित करता है, बल्कि उनकी मानसिक क्षमता और भविष्य की संभावनाओं पर भी प्रतिकूल असर डालता है। देश ने पिछले कुछ दशकों में आर्थिक विकास, विज्ञान, तकनीक और स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। मगर सवाल है कि इस विकास का आधार क्या आम आदमी के जीवन स्तर में सुधार से जुड़ा है? जब भारत की गिनती दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में की जाती हो, ऐसे समय में भी देश में अगर बच्चों के कुपोषण की समस्या एक गंभीर चुनौती बनकर सामने खड़ी हो, तो यथार्थ के आईने में विकास को किस रूप में देखा जाएगा।कुपोषण न केवल बच्चों के शारीरिक विकास को प्रभावित करता है, बल्कि उनकी मानसिक क्षमता और भविष्य की संभावनाओं पर भी प्रतिकूल असर डालता है। कई बार तो यह स्थिति मौत का कारण भी बन जाती है। केरलम के अलप्पुझा जिले में हाल में ऐसी ही एक घटना सामने आई, जिसमें दो साल के एक मासूम बच्चे ने भुखमरी और कुपोषण के कारण दम तोड़ दिया। यह घटना सरकार के खाद्य सुरक्षा के दावों की जमीनी हकीकत को भी बयान करती है।

केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से गरीब परिवारों को निशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराने तथा बच्चों एवं महिलाओं में कुपोषण की समस्या को दूर करने के लिए कई योजनाएं शुरू की गई हैं, मगर यह सुनिश्चित करने का प्रयास शायद ही होता है कि क्या इनका लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंच पा रहा है या नहीं। केरलम की घटना पर राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने संज्ञान लिया है, लेकिन इस मामले में कोई प्रभावी कार्रवाई हो पाएगी, इस संबंध में अभी कुछ कहना मुश्किल है। इस घटना के बाद स्थानीय बाल कल्याण समिति ने पीड़ित परिवार के अन्य बच्चों को अपनी देखरेख में ले लिया है, मगर अहम सवाल यह है कि सरकार या समिति की ओर से इस तरह के कदम पहले क्यों नहीं उठाए गए। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, केरलम शिक्षा और जागरूकता के मामले में काफी आगे है, फिर क्या वजह रही कि आस-पड़ोस के लोगों ने भी इस परिवार की कोई सुध नहीं ली! बच्चों का स्वस्थ विकास परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र का दायित्व है। आज के स्वस्थ बच्चों से ही कल के सशक्त भारत का निर्माण संभव है।

प्रजनन अधिकार- अपने ही शरीर पर अधिकार का संघर्ष

(जयसिंह रावत)

संविधान से मिले समानता और स्वतंत्रता के अधिकारों के बावजूद, गर्भ से जुड़े फैसलों के लिए महिलाओं को परिवार, समाज और अदालतों पर निर्भर रहना पड़ता है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा प्रजनन स्वायत्तता को मान्यता मिलने के बावजूद, असली सवाल महिला के अपने शरीर और भविष्य पर वास्तविक नियंत्रण का है।

बंबई उच्च न्यायालय ने हाल में गर्भ के चिकित्सकीय समापन से संबंधित सरकारी प्रपत्र में अविवाहित महिलाओं को भी शामिल करने का निर्देश देकर महिलाओं के प्रजनन अधिकारों से जुड़ी एक महत्वपूर्ण विसंगति उजागर की है। यह देखने में मामूली प्रशासनिक सुधार लग सकता है, लेकिन इसके पीछे एक बड़ा संवैधानिक प्रश्न छिपा है। जब सर्वोच्च न्यायालय सितंबर 2022 में ही स्पष्ट कर चुका था कि विवाहित और अविवाहित महिलाओं के प्रजनन अधिकारों में केवल वैवाहिक स्थिति के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता, तब चार वर्ष बाद भी सरकारी प्रपत्रों में ऐसी खामी क्यों बनी रही?

उच्च न्यायालय ने संबंधित महिला को गर्भपात की अनुमति तो दी, लेकिन मामले को नजीर नहीं मानने की टिप्पणी ने एक और बहस पैदा कर दी। आखिर महिलाओं की प्रजनन स्वायत्तता का समर्थन करने वाला निर्णय भविष्य के समान मामलों के लिए मार्गदर्शक क्यों नहीं होना चाहिए?

संविधान से मिले समानता और स्वतंत्रता के अधिकारों के बावजूद, गर्भ से जुड़े फैसलों के लिए महिलाओं को परिवार, समाज और अदालतों पर निर्भर रहना पड़ता है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा प्रजनन स्वायत्तता को मान्यता मिलने के बावजूद, असली सवाल महिला के अपने शरीर और भविष्य पर वास्तविक नियंत्रण का है।

इस प्रश्न का संवैधानिक आधार 29 सितंबर 2022 के सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक निर्णय में मिलता है। न्यायमूर्ति डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्पष्ट किया था कि गर्भ के चिकित्सकीय समापन अधिनियम की व्याख्या करते समय अविवाहित महिलाओं के साथ केवल उनकी वैवाहिक स्थिति के कारण भेदभाव नहीं किया जा सकता।

संविधान का अनुच्छेद 14 समानता और अनुच्छेद 21 जीवन, गरिमा, निजता तथा व्यक्तिगत स्वतंत्रता का संरक्षण करता है। इन अधिकारों का वास्तविक अर्थ तभी है जब महिलाओं को मातृत्व स्वीकार करने अथवा न करने के निर्णय में कानून के अंतर्गत उचित स्वायत्तता मिले।

भारत में गर्भपात संबंधी कानून का इतिहास भी महत्वपूर्ण है। वर्ष 1971 में बना गर्भ का चिकित्सकीय समापन अधिनियम अपने समय का प्रगतिशील कदम था। इसका उद्देश्य असुरक्षित गर्भपात से होने वाली मौतों और स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं को कम करना था। वर्ष 2021 के संशोधन ने निर्धारित परिस्थितियों में गर्भपात की अधिकतम अवधि 20 से बढ़ाकर 24 सप्ताह कर दी।

सामान्यतः 20 सप्ताह तक एक पंजीकृत चिकित्सक की राय पर्याप्त है, जबकि 20 से 24 सप्ताह के बीच निर्धारित श्रेणियों के लिए दो चिकित्सकों की राय आवश्यक होती है। गंभीर भ्रूण असामान्यताओं के विशेष मामलों में चिकित्सा बोर्ड की व्यवस्था भी है।

लेकिन कानून का विस्तार और उसकी वास्तविक उपलब्धता दो अलग प्रश्न हैं। महानगर में रहने वाली शिक्षित तथा आर्थिक रूप से सक्षम महिला के लिए चिकित्सकीय सलाह और न्यायिक सहायता प्राप्त करना अपेक्षाकृत आसान हो सकता है। इसके विपरीत ग्रामीण, निर्धन, प्रवासी अथवा सामाजिक रूप से वंचित महिला को अस्पताल पहुंचने, गोपनीयता बनाए रखने और समय पर चिकित्सा सुविधा प्राप्त करने में अनेक बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है।

हिमालयी और दूरस्थ क्षेत्रों में यह समस्या अधिक गंभीर है, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी तथा बड़े अस्पतालों तक पहुंच स्वयं चुनौती है। कई बार इलाज में देरी गर्भावस्था को उस सीमा तक पहुंचा देती है, जहां कानूनी प्रक्रिया और जटिल हो जाती है।

इस विषय का सबसे चिंताजनक पक्ष असुरक्षित गर्भपात है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के उपलब्ध अनुमानों के अनुसार दुनिया में प्रतिवर्ष लगभग 7.3 करोड़ प्रेरित गर्भपात होते हैं। इनमें लगभग 45 प्रतिशत असुरक्षित परिस्थितियों में किए जाते हैं। विश्व स्तर पर अनचाहे गर्भधारण के लगभग 61 प्रतिशत मामलों का अंत प्रेरित गर्भपात में होता है।

ये आंकड़े बताते हैं कि गर्भपात केवल व्यक्तिगत पसंद या नैतिक बहस का विषय नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की गंभीर चुनौती भी है। सुरक्षित चिकित्सा सुविधाओं की अनुपलब्धता महिलाओं को खतरनाक विकल्पों की ओर धकेल सकती है।

यहां एक बुनियादी सामाजिक प्रश्न है। अनचाहे गर्भ की जिम्मेदारी अक्सर केवल महिला पर डाली जाती है, जबकि पुरुष की भी भूमिका होती है। अविवाहित महिला के गर्भवती होने पर समाज की नैतिकता सक्रिय हो जाती है, पर पुरुष की जिम्मेदारी पर गंभीर चर्चा नहीं होती।

विवाह में भी परिवार नियोजन और मातृत्व के निर्णयों में महिलाओं की स्वतंत्रता सुनिश्चित नहीं रहती। घरेलू हिंसा, आर्थिक निर्भरता और सामाजिक दबाव उनकी निर्णय क्षमता को प्रभावित करते हैं। इस असमानता को बदले बिना केवल कानूनी सुधार पर्याप्त नहीं होंगे।

महिला के मानसिक स्वास्थ्य का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है। अवांछित गर्भधारण आर्थिक असुरक्षा, संबंध-विच्छेद, घरेलू हिंसा, सामाजिक बहिष्कार या गंभीर मानसिक तनाव से जुड़ा हो सकता है। प्रत्येक महिला की परिस्थितियां भिन्न होती हैं, इसलिए गर्भपात का निर्णय केवल वैवाहिक स्थिति या पूर्वनिर्धारित सामाजिक धारणाओं पर आधारित नहीं होना चाहिए।

चिकित्सकीय जोखिम, कानूनी शर्तों और उसकी वास्तविक परिस्थितियों का संवेदनशील मूल्यांकन आवश्यक है। विवाह-विच्छेद जैसी स्थितियों को समझे बिना कानूनी श्रेणियों की संकीर्ण व्याख्या न्याय के उद्देश्य को कमजोर कर सकती है।

भ्रूण विकास और चिकित्सकीय सुरक्षा के प्रश्नों की उपेक्षा नहीं की जा सकती। गर्भावधि बढ़ने पर जटिलताएं व नैतिक मुद्दे गंभीर हो जाते हैं, इसलिए कानून ने विभिन्न अवस्थाओं के लिए अलग व्यवस्थाएं बनाई हैं। इनका उद्देश्य महिलाओं को परेशान करना नहीं, बल्कि स्वास्थ्य रक्षा के साथ कानूनसम्मत निर्णय सुनिश्चित करना होना चाहिए। चिकित्सकीय निगरानी और महिला की स्वायत्तता को विरोधी नहीं माना जाना चाहिए।

इस समस्या का समाधान कई स्तरों पर खोजना होगा। केंद्र व राज्य सरकारों को सुनिश्चित करना चाहिए कि अस्पतालों के प्रपत्र, चिकित्सकीय दिशानिर्देश और प्रशासनिक प्रक्रियाएं सर्वोच्च न्यायालय की संवैधानिक व्याख्या के अनुरूप हों। सरकारी अस्पतालों में प्रशिक्षित चिकित्सक, परामर्श और गोपनीय सेवाएं बढ़ानी होंगी।

महिलाओं को कानूनी अधिकारों व सुरक्षित विकल्पों की सही जानकारी मिलनी चाहिए। किशोरों के लिए आयु-अनुकूल प्रजनन स्वास्थ्य शिक्षा तथा पुरुषों की जिम्मेदारी व गर्भनिरोधक उपलब्धता परिवार नियोजन नीति में जगह पाए। न्यायिक प्रक्रिया में समय अत्यंत महत्वपूर्ण है।

गर्भावस्था के प्रत्येक सप्ताह के साथ परिस्थितियां बदलती हैं; विलंब वैधानिक विकल्प सीमित कर देता है। त्वरित सुनवाई, स्पष्ट चिकित्सकीय राय और संवेदनशील निर्णय जरूरी हैं। महिला की पहचान व निजता की रक्षा भी आवश्यक है, ताकि सामाजिक बदनामी का भय कानूनी सहायता न रोके।

भारत ने महिला शिक्षा, प्रतिनिधित्व और अधिकारों में प्रगति की है, पर वास्तविक समानता उन निजी निर्णयों में सिद्ध होती है जो उसके शरीर, स्वास्थ्य और जीवन को प्रभावित करते हैं। मातृत्व का सम्मान उतना ही जरूरी है जितना मातृत्व संबंधी स्वतंत्र निर्णय का।

असली प्रश्न यह नहीं कि अदालतें कितनी बार अनुमति देती हैं, बल्कि यह कि महिलाओं को अपने वैधानिक अधिकारों के लिए बार-बार अदालत क्यों जाना पड़ता है। समानता अस्पतालों के व्यवहार, सरकारी प्रक्रियाओं और सामाजिक सोच में भी दिखनी चाहिए। प्रजनन स्वायत्तता रियायत नहीं, बल्कि गरिमा और स्वतंत्रता का अभिन्न अंग है। **यह लेखक के निजी विचार हैं।**

ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की जरूरत

(हिमांशु)

भारत के अधिकांश ग्रामीण गरीबों की आर्थिक स्थिति को समझने का सबसे महत्वपूर्ण पैमाना है, गांवों में मिलने वाली मजदूरी। कृषि और गैर-कृषि गतिविधियों से गहरे जुड़े होने के कारण ग्रामीण मजदूरी देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के संकट को दर्शाने वाले उन चुनिंदा संकेतकों में से एक है, जिनके आंकड़े लगातार उपलब्ध होते रहे हैं।

श्रम ब्यूरो द्वारा साल 1998 से ही हरेक महीने 12 कृषि और 13 गैर-कृषि व्यवसायों के आंकड़े जारी किए जाते रहे हैं। जुलाई 2025 से इस शृंखला में बदलाव किया गया। श्रम ब्यूरो ने वेतन डाटा इकट्ठा करने और रिपोर्ट के दायरे एवं तरीके (मेथडोलॉजी), दोनों में बदलाव किए। इस बदलाव के तहत गांवों की संख्या बढ़ाई गई है और इसे कृषि मजदूरों के लिए संशोधित उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआईएएल) से भी जोड़ा गया है। जुलाई 2025 से शुरू हुई इस नई शृंखला का दायरा बढ़ाकर इसमें 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को शामिल किया गया है, जबकि पहले इसमें केवल 20 प्रमुख राज्य शामिल थे। जाहिर है, इसका मतलब यह भी है कि नई शृंखला की तुलना पुरानी से नहीं की जा सकती। इस शृंखला में एक तरह का 'ब्रेक' आ गया है। बहरहाल, 2025 के मध्य तक के ग्रामीण इलाकों के आंकड़े बताते हैं कि कृषि और गैर-कृषि, दोनों तरह की पारिश्रमिक में ठहराव था।

जुलाई 2015 से जून 2025 के दशक में कृषि क्षेत्र में वास्तविक मजदूरी सालाना 1.3 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जबकि गैर-कृषि क्षेत्र में यह सालाना 0.2 फीसदी की दर से बढ़ी। आजादी के बाद से एक दशक की अवधि में यह वृद्धि दर सबसे धीमी है। अगर हम कोविड के बाद की अवधि, यानी जुलाई 2019 से शुरू होने वाले आंकड़ों को देखें, तो कृषि क्षेत्र में मजदूरी सालाना 1.3 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जबकि गैर-कृषि क्षेत्र में इसमें सालाना 0.1 फीसदी की गिरावट आई।

नई शृंखला के तहत जुलाई और अगस्त 2026 के डाटा अब उपलब्ध हैं। ये बताते हैं कि जुलाई में कृषि व्यवसायों की वास्तविक मजदूरी में 1.5 प्रतिशत और गैर-कृषि व्यवसायों की मजदूरी में 1.6 फीसदी की गिरावट आई। अगस्त में इनमें और गिरावट आई, पिछले वर्ष की तुलना में कृषि व्यवसायों में 1.9 प्रतिशत और गैर-कृषि व्यवसायों में 2.1 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है।

ये आंकड़े बताते हैं कि कृषि कार्यों की मजदूरी में पुरानी शृंखला में देखी गई मामूली वृद्धि के मुकाबले गिरावट आई है। इसी तरह, गैर-कृषि कार्यों की दिहाड़ी में गिरावट की दर कहीं अधिक तेज हुई है। ये आंकड़े अन्य स्रोतों से सामने आए ग्रामीण संकट के और गहराने की पुष्टि करते हैं। साफ है, अर्थव्यवस्था के राष्ट्रीय स्तर के आंकड़ों को लेकर देश के शहरी इलाकों में जो उत्साह है, वह ग्रामीण इलाकों में नदारद है। गौर कीजिए, जुलाई-अगस्त में न केवल अल नीनो के कारण कृषि क्षेत्र पर बुरा असर पड़ा है, बल्कि ये दोनों महीने 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण)' (वीबी-जीरामजी) के लागू होने के शुरुआती दो महीने भी थे।

इस साल ग्रामीण अर्थव्यवस्था के दोनों ही इंजन- खेती-किसानी और गैर-कृषि व्यावसायिक गतिविधियां- प्रभावित होते दिख रहे हैं। असल में, खेतिहर मजदूरी की तुलना में गैर-कृषि कार्यों में मिलने वाली मजदूरी में कहीं ज्यादा गिरावट आई है। ऐसे में, हालात और भी खराब हो सकते हैं, क्योंकि खाद्य सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है। भारत के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आंकड़ों से पता चलता है कि ग्रामीण इलाकों में खाद्य महंगाई पहले ही आठ प्रतिशत का आंकड़ा पार कर चुकी है। ऐसे में, महंगाई में होने वाली अब कोई भी बढ़ोतरी गैर-कृषि क्षेत्र को नुकसान पहुंचाएगी, क्योंकि इससे गैर-कृषि वस्तुओं और सेवाओं की मांग कम हो जाएगी।

इसलिए सरकार को वीबी-जीरामजी के तहत ग्रामीण इलाकों में रोजगार बढ़ाने के लिए अपने कुछ नए प्रावधानों में ढील देनी होगी। साथ ही, गरीब राज्यों को वित्तीय सहायता की भी जरूरत होगी। वीबी-जीरामजी को मजबूत करना न केवल ग्रामीण संकट को दूर करने के लिए जरूरी है, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए भी यह आवश्यक है। देश की अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए ग्रामीण खपत में वृद्धि जरूरी है।(**(लेखक एसोशिएट प्रोफेसर,जेएनयू)ये लेखक के अपने विचार हैं)**

वर्ग पहेली 6253

1	2	3	■	4	5	6	
7			■	8			■
	■	9	10		■	■	11
12	13	■		■	14	15	
16				■	17		■
■		■	■	18	■	19	20
21		22			23		
	■		■	24		■	

संकेतः बाएं से दाएं

1. यह मुगल सम्राट जहांगीर का बचपन का नाम था, जहांगीर की पत्नी नूरजंहा की मां अस्मत बेगम ने गुलाब से इत्र निकालने की विधि खोजी थी (3)
4. यह संत तुलसीदास के बचपन का नाम है (4)
7. स्नानागार, नहाने का स्थान (3)
8. तरल पदार्थ को ठोस रूप में बदलना (3)
9. संख्या, जोड़ (3)
12. अगर, जो (2)
14. हिचक, असमंजस, लज्जा (3)
16. सैनिकों के लिए अभ्यास, परेड (4)
17. परत, स्तर (2)
19. जंघा, जांघ (2)
21. जे.ओमप्रकाश के निर्देशन में धर्मेंद्र-आशा पारेख की मुख्य भूमिकाएं वाली फिल्म (1969)(8)
24. साधु-संत के रहने का स्थान (2)

संकेतः ऊपर से नीचे

1. साइड हीरो (5)
2. यह पेरू देश की राजधानी है (2)
3. माता का स्नेह जो उसकी संतान पर होता है (3)
4. लालू यादव वाली राजनीतिक पार्टी (संक्षिप्त नाम)(3)
5. मेरा या मेरी (संस्कृत) (2)
6. बुआई करना, जमीन में बीज छितराना (2)
10. बेटी का पति, जंवाई, जामाता (3)
11. चिंता, फिक्र, चिंतन, पश्चाताप (2)
13. बहुत ज्यादा घाटा या हानि, ऋण चुकाने में असमर्थ (4)
14. परम धार्मिक और साधु व्यक्ति, सज्जन और महात्मा (2)
15. बहुत शोरगुल (4)
18. बलमा, प्रेमी, साजन (3)
20. ऊंट आदि के नाक के आर-पार पहनाई जाने वाली रस्सी (3)
21. विश्वास, स्थित होने की अवस्था (2)
22. मित्र, सखा, परस्पर साथ रहने वाला व्यक्ति (2)
23. असत्य कथन, मिथ्या (2)

वर्ग पहेली 6252 का हल

हां	ग	कां	ग	■	वा	दा	■
फ	ल	दा	न	■	प	र	म
ना	त	■	पा	र	स	म	णि
■	फ	■	व	न	■	दा	■
■	ह	■	ड	र	■	र	वि
■	मी	ना	र	■	डो	■	श्व
प	■	जु	■	प	र	ना	ना
रा	ज	क	पू	र	■	र	थ

दूसरी पारी- उम्र भले बढ़े, जिंदगी न थमने पाए

(दीपक चोपड़ा)

उम्र बढ़ना एक जैविक प्रक्रिया है, लेकिन उम्र के साथ खुद को कमजोर मान लेना एक मानसिक धारणा है। दीपक चोपड़ा बताते हैं कि 75 साल की उम्र में भी इन्सान अपनी सोच, आदतों और सक्रियता से नई ऊर्जा जगा सकता है।

अक्सर हम उम्र बढ़ने को शारीरिक कमजोरी, याददाश्त घटने और दूसरों पर निर्भर होने से जोड़कर देखने लगते हैं। हम मान लेते हैं कि अब पहले जैसी चुस्ती नहीं रही, नई चीजें सीखना मुश्किल है और बदलाव की गुंजाइश कम हो गई है। पर, क्या बढ़ती उम्र का अर्थ केवल यही है? क्या उम्र के साथ हमारी संभावनाएं भी खत्म हो जाती हैं? वास्तव में, वृद्धावस्था शरीर में कम, सोच में ज्यादा उतरती है। हम उम्र को किस नजरिये से देखते हैं और अपने शरीर, आदतों व जीवन के प्रति कितने सजग रहते हैं, इनसे ही जीवन की गुणवत्ता प्रभावित होती है। इसलिए, बढ़ती उम्र को सक्रियता, आत्मविश्वास और नई संभावनाओं के साथ जीने के लिए कुछ जरूरी बातों पर ध्यान देना जरूरी है।

75 की उम्र में 55 की जवानी: वर्ष 1979 में हार्वर्ड की मनोवैज्ञानिक एलेन लैंगर ने 75 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों पर एक प्रयोग किया। उन्हें एक सप्ताह ऐसे माहौल में रखा गया, जो 1959 जैसा था। वहां पुरानी पत्रिकाएं थीं और उस दौर का संगीत बज रहा था। उनसे कहा गया कि वे खुद को 55 साल का समझें और अपने काम खुद करें। सात दिनों में उनके व्यवहार और शारीरिक क्षमता में सुधार दिखा। जिन बुजुर्गों को दूसरों के सहारे की आदत पड़ चुकी थी, वे पूरी तरह आत्मनिर्भर दिखने लगे। उनके चेहरों की चमक लौट आई और वे औसतन तीन वर्ष अधिक युवा दिखाई देने लगे। उनके जकड़े हुए जोड़ों में नई लचक आ गई, रीढ़ की हड्डी तन गई, चाल सीधी हो गई और पकड़ मजबूत हो गई। इससे पता चला कि बुजुर्गों को आत्मनिर्भर और सक्रिय रहने के लिए प्रेरित करने से उनके शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक असर पड़ता है।

निर्णयों की बागडोर खुद संभालें: आपका जीवन कैसा होगा, यह काफी हद तक आपकी सोच और आदतों पर निर्भर करता है। अगर आप हर समय उम्र, कमजोरी व बीमारी के बारे में सोचेंगे, तो आपका उत्साह कम होने लगेगा। पर, खुद को सक्रिय और उपयोगी बनाए रखने की सोच जीवन में नई ऊर्जा भर सकती है। इसलिए, घर के छोटे-मोटे काम करें, पौधों की देखभाल करें, रोज थोड़ा टहलें और पर्याप्त पानी पिएं। अपने फैसले खुद लेने की कोशिश करें। मन से यह विचार निकाल दें कि 'मैं बूढ़ा हो चुका हूं।'

हर कमजोरी वृद्धावस्था की निशानी नहीं: अक्सर बुजुर्गों में लड़खड़ाते कदम, कमजोर याददाश्त और थकान के लक्षण को उम्र का तकाजा मान लिया जाता है, जबकि इनके पीछे पोषण व पानी की कमी, दवाओं के दुष्प्रभाव, अनिद्रा व अवसाद जैसे कारण भी हो सकते हैं। क्योंकि, जब हम शरीर से ध्यान हटा लेते हैं, तो कमजोरी घर करने लगती है। यदि आप थोड़ा सजग हो जाएं, दिनचर्या और दृष्टिकोण को नया रंग दें, तो वृद्धावस्था को जीवंत बनाया जा सकता है।जीवन का असली आनंद उम्र में नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, सक्रियता और हर दिन नए उत्साह के साथ जीने में है।

आज का राशिफल

मेष

आज पुराने भुगतानों की जांच और कागजी तैयारी करना होगा। परिवार की जिम्मेदारियों पर पूरा ध्यान दें। पैसे लगाने के मामलों में कोई भी फैसला जल्दबाजी में न लें। अपने रोज के खर्चों को देखकर अपना बजट सुधारें। यदि कोई आपसे पैसों की मदद मांगे, तो पहले अपनी खुद की जिम्मेदारियों को जरूर परख लें।काम का दबाव थोड़ा बढ़ सकता है।

वृष

आज आपको आर्थिक समझौते और खर्चों पर दोबारा विचार करने की जरूरत पड़ सकती है। परिवार के लोगों या कारोबारी साथियों के साथ आने वाले भुगतानों पर खुलकर बात करें। अपने पुराने लेन-देन को ध्यान से देखें। बिना पक्की शर्तों के किसी को भी उधार पैसा बिल्कुल न दें। जिम्मेदारी को अच्छे से समझे, तो मिल जुलकर काम करने से बहुत अच्छी तरक्की मिल सकती है।

मिथुन

आज काम से जुड़ी लागत और रोजमर्रा के खर्चों पर आज ध्यान देना होगा। अपने काम की रफ्तार बढ़ाने के लिए कोई भी सामान खरीदने से पहले अपना बजट अच्छी तरह जांच लें। यदि आप कमाई का कोई दूसरा जरिया ढूंढ रहे हैं, तो पैसा लगाने से पहले उसकी पूरी और सरल जरूरतों को समझ लें।

कर्क

आज संयमित खर्च और शांत चर्चा। भविष्य की तरक्की को लेकर आत्मविश्वास देंगे, पर कर्क राशि में मंगलदेव की कमजोर स्थिति आपको संभलकर चलने की सलाह देती है। अपने आराम या परिवार की जरूरतों पर पैसा खर्च करने से पहले अपना बजट जरूर देख लें।

सिंह

आज दिखावे से बचाव और पुरानी योजनाओं पर गौर करना होगा। घर के खर्चों, परिवार की जिम्मेदारियों या संपत्ति से जुड़े मामले आज आपके फैसलों को तय करेंगे। कोई भी बड़ा सामान खरीदने से पहले सभी विकल्पों की आपस में तुलना जरूर कर लें। दूसरों पर धौंस जमाने या दिखाने के लिए पैसे खर्च न करें।

कन्या

आज कागजी रिकॉर्ड की संभाल और स्पष्ट बातचीत रखना होगा। आज आपको खर्चों, कर्ज चुकाने और पैसों के लेन-देन से जुड़े मामलों को पूरी तरह साफ करना होगा। अपने सभी लेन-देन का रिकॉर्ड सुरक्षित रखें। अपने खर्च करने के तरीकों को देखें उसके सारे जोखिमों को अच्छी तरह समझ लें।

तुला

आज अपनी प्राथमिकताओं की समीक्षा और संयम दिखाना होगा। यह समय आपके खर्च करने के आदतों और पैसों की प्राथमिकताओं पर दोबारा सोचने के लिए बहुत सही है। जब तक पूरी जानकारी न हो, तब तक कोई बड़ा फैसला न लें। अपने बचत के लक्ष्यों को देखें और फालतू की खरीदारी से खुद को रोककर अपने बजट में संतुलन वापस लाएं।

वृश्चिक

आज छिपे खर्चों की जांच और शांत मेहनत मन लगाना होगा। अपनी आर्थिक स्थिति को गहराई से देखने के लिए थोड़ा समय निकालें, जिसमें आपके पुराने बकाये और नियमित खर्चे शामिल हैं। थोड़े समय के तनाव में आकर कोई भी जोखिम भरा फैसला लेने से या खरीदारी करने से बचें।

धनु

आज नेटवर्क से मदद और पक्की योजना बनाना होगा। दफ्तर के संपर्क या ग्रुप की गतिविधियां आपको पैसों के ऐसे नए मौके दे सकती हैं जिन्हें तलाशना फायदेमंद रहेगा। जो बातें केवल सुंदर वादों जैसी लगें और असलियत से दूर हों। यदि आप नई नौकरी या नए मौकों की तलाश में हैं, तो लोगों से मेल-मिलाप बहुत काम आएगा।

मकर

आज करियर में स्पष्ट शर्तें रखे। घर-परिवार की जिम्मेदारियां और लंबे समय की आर्थिक सुरक्षा आज खास ध्यान मांग रही है। कोई भी बड़ा सामान खरीदने या निवेश करने से पहले सभी विकल्पों की तुलना कर लें। एक सही और व्यवस्थित बजट आपको अपनी आज की जिम्मेदारियों और भविष्य के बड़े सपनों के बीच तालमेल बिठाने में मदद करेगा।

कुंभ

आज महत्वाकांक्षाओं पर नियंत्रण और बजट की सीमा तय करना होगा। पैसों को समझदारी से संभालना आज भी सबसे ज्यादा जरूरी है। किसी भी नए मौके पर पैसा लगाने से पहले उसके खर्च और भरोसेमंद होने की पूरी जांच कर लें। पढ़ाई, तकनीक और यात्रा से जुड़े खर्चे बढ़ सकते हैं, इसलिए हर चीज अपने बजट के अंदर ही रखें। नए विचार आपका ध्यान खींच सकते है।

मीन

आज आत्ममंथन और अनुशासित कदम बढ़ाना होगा। अपनी आर्थिक सुरक्षा के बारे में बहुत गहराई से सोचेंगे। अपने खर्च करने के तरीकों, बचत के लक्ष्यों और पुराने बकाये की समीक्षा करें। घबराहट में आकर कोई भी फैसला न लें। थोड़े से अनुशासित बदलाव आपके अंदर का भरोसा बढ़ा देंगे। आपकी अंदरूनी समझ आपको दफ्तर के हालात समझने में मदद करेगी।

संक्षिप्त समाचार

134 प्रतिशत बढ़ा अडानी की इस कंपनी का मुनाफा, 200 रुपये के पार जा सकता है शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी समूह की कंपनी अडानी पावर ने सितंबर तिमाही के नतीजे जारी कर दिए

हैं। वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 134 प्रतिशत बढ़कर 6,919 करोड़ रुपये हो गया है। पिछले साल की इसी अवधि में प्रॉफिट 2,953 करोड़ रुपये रहा था। तिमाही नतीजे के बीच शुक्रवार को अडानी पावर के शेयर एनएसई पर 1.74 प्रतिशत टूटकर बंद हुए। अडानी पावर के शेयर की क्लोजिंग कीमत 182.04 रुपये थी। हालांकि, बीते दिनों ब्रोकरेज इस शेयर के 200 रुपये के पार जाने का अनुमान लगा रहे थे।

अडानी पावर के नतीजे अडानी पावर ने बताया कि उसका ऑपरेशंस से होने वाला रेवेन्यू 45 प्रतिशत बढ़कर 19,439 करोड़ रुपये हो गया है। यह पिछले साल की इसी तिमाही में 13,457 करोड़ रुपये था। कंपनी का एबिटा 8231 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की इसी तिमाही के 5150 करोड़ रुपये के मुकाबले 60 प्रतिशत अधिक है। इस तिमाही में मार्जिन 400 प्रतिशत बढ़कर 42.3 प्रतिशत हो गया है जबकि पिछले साल की इसी अवधि में यह 38 प्रतिशत था। बिजली की मांग में मजबूत बढ़ोतरी के चलते, वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में अडानी पावर की कंसोलिडेटेड बिजली बिक्री सालाना आधार पर 11.5 प्रतिशत बढ़कर 26.4 बिलियन यूनिट हो गई, जो वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में 23.7 क्रथी।

क्या कहा कंपनी के सीईओ ने

अडानी पावर के सीइओ एसबी ख्यालिया ने कहा कि कंपनी मुनाफे और प्रोजेक्ट्स को पूरा करने के मामले में लगातार आगे बढ़ रही है। कंपनी भारत की बिजली डिमांड के सप्लाय को सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। कंपनी अपनी क्षमता विस्तार कार्यक्रम को आगे बढ़ा रही है, जिसके तहत 23,720 मेगावाट की नई थर्मल पावर क्षमता जोड़ी जाएगी। कंपनी की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक अडानी पावर के 1320 मेगावाट कोरबा फेज-सेकंड सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्रोजेक्ट और 1,600 मेगावाट महान फेज-सेकंड अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्रोजेक्ट का काम काफी आगे बढ़ चुका है।

शेयर बाजार में टाटा संस की लिस्टिंग अनिवार्य आरबीआई गवर्नर ने दिए सख्त संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से बड़ा झटका लगा है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि टाटा संस जैसी बड़ी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) के लिए शेयर बाजार में लिस्टिंग अनिवार्य है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब टाटा संस, लिस्टिंग की बजाए दूसरे विकल्पों पर विचार करने के लिए आरबीआई से अपील करना चाहती है। संजय मल्होत्रा ने टाटा संस को अपर लेयर की एनबीएफसी के रूप में वर्गीकृत किए जाने को सही ठहराते हुए कहा कि पब्लिक फंड तक प्रत्यक्ष या परोक्ष पहुंच रखने वाली बड़ी एनबीएफसी और मुख्य निवेश कंपनियों (सीआईसी) के लिए केंद्रीय बैंक के साथ रजिस्टर्ड होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि टाटा संस जैसी बड़ी एनबीएफसी और सीआईसी समूह की कंपनियों के शीर्ष पर होती हैं और फंड जुटाने के लिए समूह की कंपनियों के बहीखाते का इस्तेमाल करती हैं। इससे पब्लिक फंड के लिए प्रणालीगत जोखिम पैदा होता है।मल्होत्रा ने कहा, पब्लिक फंड कॉरपोरेट बॉन्ड, बैंकों और अन्य माध्यमों से आता है। इसलिए ऐसी कंपनियों का आरबीआई के साथ रजिस्ट्रेशन जरूरी है।

मैराथन फ्यूजन ने किया लैब में गोल्ड बनाने का दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या अब लैब में सोना बनाना संभव हो गया है अमेरिका की फ्यूजन स्टार्टअप कंपनी मैराथन फ्यूजन ने दावा किया है कि उसने पारे को बदलकर असली और स्थिर सोना बनाया है। कंपनी ने हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। हालांकि, कंपनी ने यह नहीं बताया कि उसके प्रयोग में कितना सोना बना और न ही इस दावे को साबित करने के लिए विस्तृत आंकड़े जारी किए हैं।

इस दावे के बाद एक बार फिर सवाल उठने लगा है कि क्या वैज्ञानिक तकनीक से बड़ी मात्रा में सोना बनाना संभव होगा अगर ऐसा हुआ, तो क्या बाजार में सोने की सप्लाई बढ़ने से इसकी कीमतें गिर सकती हैं

मैराथन फ्यूजन ने जिस प्रक्रिया की बात की है, उसे न्यूक्लियर ट्रांसम्यूटेशन कहते हैं। इसमें परमाणु के केंद्र यानी न्यूक्लियस में बदलाव करके एक तत्व को दूसरे तत्व में बदला जाता है।

कंपनी की प्रस्तावित तकनीक में फ्यूजन रिएक्शन से निकलने वाले तेज न्यूट्रॉन का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके जरिए पारे के एक खास प्रकार, मरकरी-198, को मरकरी-197 में बदला जा सकता है। इसके बाद मरकरी-197 के रेडियोधर्मी क्षय से स्थिर सोना-197 बनने की प्रक्रिया होती है। हालांकि, इस प्रक्रिया में रेडियोधर्मी पदार्थ भी पैदा हो सकते हैं। इन्हें सुरक्षित स्तर तक लाना एक बड़ी चुनौती है।

क्या सोने की कीमत गिरेगी

इस हिसाब से अगर कंपनी भविष्य में हर साल 2 टन सोना बनाने में सफल भी होती है, तो यह दुनिया के सालाना खनन उत्पादन का बहुत छोटा हिस्सा होगा। इसके अलावा, कंपनी के पास अभी इतनी बड़ी क्षमता वाला रिएक्टर नहीं है। उसकी वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक, फिलहाल उसका रिएक्टर 1 किलोवाट फ्यूजन पावर आउटपुट के स्तर पर है।

कितना सोना बनाने का अनुमान

मैराथन फ्यूजन के 2025 के रिसर्च पेपर में अनुमान लगाया गया था कि व्यावसायिक स्तर पर काम करने वाला एक प्लांट हर साल एक गीगावाट थर्मल पावर के आधार पर करीब 2 टन सोना बना सकता है। इसकी तुलना में वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक, दुनिया की सोने की खदानों ने साल 2025 में करीब 3,672 टन सोने का उत्पादन किया था। वहीं, जून 2026 तक दुनिया में खनन से निकाला गया और जमीन के ऊपर मौजूद सोना करीब 2,22,600 टन होने का अनुमान था। यानी मौजूदा क्षमता और व्यावसायिक स्तर पर सोना बनाने के लक्ष्य के बीच बहुत बड़ा अंतर है। ऐसे में यह कहना जल्दबाजी होगी कि लैब में बने सोने के कारण बाजार में सोने की कीमत गिर सकती है। लैब में सोना बनाने के दावे के बीच सोने की कीमतों में पहले से गिरावट देखी जा रही थी। सोना 1 जनवरी के स्तर से 5.56 प्रतिशत नीचे कारोबार कर रहा था।

इंफोसिस के मुनाफे से राजस्व तक में उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की दिग्गज आईटी कंपनी इंफोसिस ने सितंबर तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में कंपनी का मुनाफा 7,823 करोड़ रुपये रहा। यह एक साल पहले की तुलना में 6.2 प्रतिशत अधिक है। वहीं, दूसरी तिमाही में इंफोसिस का राजस्व 10.7 फीसदी की वृद्धि के साथ 49,244 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। तिमाही में डॉलर में कंपनी का राजस्व 1.3 फीसदी सालाना बढ़कर 514.5 करोड़ डॉलर हो गया। इस दौरान मुनाफा घटकर 81.7 करोड़ डॉलर रहा। यह एक साल पहले के 83.9 करोड़ डॉलर से 2.5 प्रतिशत कम है। कंपनी के राजस्व में उत्तरी अमेरिका की हिस्सेदारी एक साल में 56.3 प्रतिशत से घटकर 54.6 प्रतिशत रह गई। यूरोप की हिस्सेदारी 31.7 फीसदी से बढ़कर 32.5 फीसदी और भारत की 3.1 फीसदी से घटकर 2.8 फीसदी हो गई। कंपनी की मुख्य आय (28 फीसदी) फाइनेंशियल सर्विसेज के वर्टिकल से रही। मैन्युफैक्चरिंग वर्टिकल से 16 फीसदी, एनर्जी, यूटिलिटी, सर्विसेज के वर्टिकल से 14.2 फीसदी और रिटेल वर्टिकल से 11.5 फीसदी आय कंपनी को हुई। इसके अलावा, कम्युनिकेशन वर्टिकल का योगदान 12.5 फीसदी रहा। इसमें तिमाही-दर-तिमाही 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई। राजस्व में यह मजबूत ग्रोथ बाजार में कंपनी की विशेष स्थिति और क्लाइंट के भरोसे को दिखाती है।

स्मार्टफोन के दाम बढ़े और मांग घटी तो एक दशक के निचले स्तर पर पहुंच गया शिपमेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मार्टफोन बनाने में काम आने वाले कुछ महत्वपूर्ण कल-पुर्जों के दाम क्या बढ़े, जुलाई से सितंबर 2026 की तिमाही के दौरान इसके बाजार बड़ा उलटफेर हो गया है। इस दौरान स्मार्टफोन के शिपमेंट में 20 फीसदी की भारी कमी हुई है। इसी के साथ यह शिपमेंट एक दशक के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया है। इस दौरान सबसे ज्यादा स्मार्टफोन शिप करने में एक बार फिर से सैमसंग पहले स्थान पर काबिज हो गया है।

शुक्रवार को मार्केट रिसर्च फर्म काउंटरपॉइंट रिसर्च की मंथली रिपोर्ट आई। इसमें पता चला कि भारत में स्मार्टफोन की शिपमेंट इस साल जुलाई-सितंबर की तिमाही के दौरान साल-दर-साल आधार पर शिपमेंट 20 प्रतिशत घट गया है। यह एक दशक का निचला स्तर है। इससे भारत में स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनियों के पेशानी पर चिंता की लकीरें दिखनी तय है।

पुराने फोन से काम चला रहे हैं

रिसर्च एनालिस्ट शुभम सिंह का कहना है कि पहले लोग जिस तरह से एक निश्चित अवधि बीतने के बाद फोन बदल देते थे, अब वे वैसा नहीं कर रहे हैं। लोग पुराने फोन को अधिक से अधिक चलाना चाह रहे हैं। भले ही उसकी बैटरी बदल दी जाए या कुछ खराबी आने पर उसे ठीक करवा लिया जाए। वे फोन के अपग्रेड को टाल रहे हैं। क्योंकि नया फोन महंगा हो गया है। यही चुनौती बाजार के सेगमेंट को कमजोर कर रही है। शुभम बताते हैं अब ग्राहक पहले से ज्यादा सेलेक्टिव हो गए है। उन्होंने रिप्लेसमेंट साइकिल को बढ़ा दिया और अपग्रेड में देरी कर रहे हैं। दूसरी ओर स्मार्टफोन बनाने वाले दिवाली से पहले आक्रामक वॉल्यूम एक्सपेंशन के बजाय मार्जिन प्रोटेक्शन, पोर्टफोलियो रेशनलाइजेशन और चैनल इन्वेंट्री को प्राथमिकता दी है।

सैमसंग ने फिर बाजी मारी: इस साल जुलाई के सितंबर की तिमाही के दौरान शिपमेंट में सैमसंग ने बाजी मारी है। इसे नौ तिमाहियों के बाद एक बार फिर से शीर्ष स्थान हासिल करने में सफलता मिली है। इसकी कुल शिपमेंट का 17 प्रतिशत की हिस्सेदारी रही।

इस श्रेणी में बड़ा नुकसान

काउंटरप्वाइंट रिसर्च की इस रिपोर्ट के अनुसार आलोच्य अवधि के दौरान 20,000 रुपये से कम कीमत वाले स्मार्टफोन्स की शिपमेंट में 47 प्रतिशत की भारी गिरावट आई है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि फोन की कीमतों में वृद्धि के कारण लोग सोचने लगे कि जब इतने का फोन खरीद ही रहे हैं तो क्यों नहीं इससे बेहतर मॉडल का फोन ले लें। इसलिए 20 हजार रुपये तक के मॉडल्स की डिमांड पर बड़ा असर दिखा।

डार्क चॉकलेट के दीवाने हो रहे भारतीय, एक साल में 45 प्रतिशत बढ़ी मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में लोगों के खानपान की पसंद बदल रही है। अब लोग सामान्य चॉकलेट के साथ डार्क चॉकलेट भी पसंद करने लगे हैं। इसकी मांग तेजी से बढ़ रही है। रिसर्च एजेंसी न्यूमरेटर द्वारा वर्ल्डपैनल के आंकड़ों के मुताबिक अगस्त में समाप्त हुए एक साल के दौरान डार्क चॉकलेट खरीदने वाले परिवारों की संख्या में 45 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इससे पहले 2024 में इसमें 28.2 प्रतिशत और 2025 में 11.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी।

डार्क चॉकलेट की बढ़ती मांग से पता चलता है कि भारतीय उपभोक्ता अब प्रीमियम यानी महंगे और खास उत्पादों पर भी खर्च करने लगे हैं। हालांकि, अभी इसे खरीदने वाले परिवारों की हिस्सेदारी केवल 8.5 प्रतिशत है। इकनॉमिक टाइम्स के अनुसार इसकी कुल खरीद में 87 प्रतिशत हिस्सा शहरी उपभोक्ताओं का है। आंकड़ों के मुताबिक, देश में प्रति व्यक्ति सालाना चॉकलेट की खपत करीब 200 ग्राम है। वहीं, ब्रिटेन में यह 10 किलोग्राम से ज्यादा है। डार्क चॉकलेट में आमतौर पर 50 प्रतिशत से ज्यादा कोको होता है। भारत में चॉकलेट का बाजार करीब 15,000 करोड़ रुपये का है, लेकिन इसमें डार्क चॉकलेट की हिस्सेदारी अभी काफी कम है।

क्यों बढ़ रहा डार्क चॉकलेट का क्रेज

आईटीसी फूड्स के सीईओ हेमंत मलिक के मुताबिक, लोगों की डिस्पोजेबल इनकम यानी खर्च करने के लिए उपलब्ध पैसे में बढ़ोतरी, बेहतर जीवनशैली की चाह और जागरूकता डार्क चॉकलेट की मांग बढ़ा रही है। उनका कहना है कि यह बदलाव कॉफी जैसे दूसरे उत्पादों में बढ़ते प्रीमियम ट्रेंड की तरह है। न्यूमरेटर द्वारा वर्ल्डपैनल के दक्षिण एशिया में कमर्शियल डायरेक्टर मनोज मेनन के मुताबिक, डार्क चॉकलेट का बाजार भले ही अभी छोटा है।

अवधूत साठे ट्रेडिंग एकेडमी प्राइवेट पर सेबी का चला हथौड़ा, निवेशकों का 546.17 करोड़ लौटाने का आदेश; पेनाल्टी भी लगाई

नई दिल्ली, एजेंसी। मार्केट रेगुलेट करने वाली संस्था सेबी ने शुक्रवार को अवधूत साठे ट्रेडिंग एकेडमी प्राइवेट लिमिटेड और उसके फाउंडर अवधूत साठे को प्रतिभागियों के 546.17 करोड़ रुपये लौटाने के लिए कहा है। प्रतिभागियों से अनरजिस्टर्ड इनवेस्टमेंट सलाह और रिसर्च एनालिस्ट सर्विस के तौर पर पैसा वसूला गया था। बता दें, सेबी ने 67.87 करोड़ रुपये का ब्याज भी लौटाने को कहा है। इसके अलावा सेबी ने साठे और उनकी एकेडमी को 2 साल तक या फिर रिफंड के आदेश के पालन होने तक (जो भी बाद में हो) सिक्योरिटी मार्केट से दूर रहने का का निर्देश दिया है। अपने 171 पेज की रिपोर्ट में सेबी ने एकेडमी, साठे और गौरी अवधूत साठे पर 11.50 करोड़ रुपये की पेनाल्टी भी लगाई है। इन लोगों पर आरोप है कि इन्होंने मार्केट नियमों का पालन नहीं किया है। बता दें, एकडेमी पर सेबी ने 6 करोड़ रुपये, साठे पर 4 करोड़ रुपये और गौरी अवधतू साठे पर 1.5 करोड़ रुपये की पेनाल्टी लगाई है। सेबी ने साठे और एकेडमी को 5 महीने के अंदर पैसा लौटाने का समय दिया है। इसके अलावा मार्केट रेगुलेटर ने न्यूजपेपर में विज्ञापन जारी कर निवेशकों को क्लेम की पूरी प्रक्रिया बताने के लिए भी साठे और एकेडमी से कहा है। न्यूज पब्लिकेशन का काम 30 दिन के अंदर करना है।

चांदी की कीमतों में हाहाकार, 4.27 लाख रुपये से गिरकर 2 लाख के नीचे आया भाव- नई दिल्ली, एजेंसी। चांदी की कीमतों में ऐसा उलटफेर हुआ है कि कुछ महीनों पहले तक रेकॉर्ड तेजी से चौंकाने वाला बाजार अब बड़ी गिरावट का गवाह बन रहा है। इस साल जनवरी में 4.27 लाख रुपये प्रति किलो तक पहुंची चांदी अब 2 लाख रुपये से नीचे आ गई है।

GOVERNMENT OF HIMACHAL PRADESH
JAL SHAKTI DEPARTMENT

"Notice Inviting e-tender"

The Executive Engineer **Jal Shakti Vibhag Division Nalagarh** invites online tenders on behalf of Governor of Himachal Pradesh from approved eligible contractors for the following work (s) through e-tendering process:-

S/ No.	Description of work	Estimated cost	Earnest Money	Cost of tender forms	Stipulated Time period
1	Restoration of rain damages to **Tubewell Thedkian** in JSV Sub – division Panjehra, Tehsil Nalagarh, District Solan (HP) (Sub Head:- Construction of 3 Nos. out lets and providing laying jointing testing of Tubewell Thedkian).	3,49,341/-	6987/-	350/-	Two Month

1 Last date of filing / uploading the tender through e-tendering: - 31-10-2026 upto 11:00 AM. The tender forms and other detailed conditions can be obtained from the website www.hpiph.org.

HIM SUCHNA AVAM JAN SAMPARK

Executive Engineer,
JSV Divn. Nalagarh,
Distt. Solan (HP).

R.No.4352/2026-2027

कभी रेनकोट बेचे तो कभी पटाखे... किस्मत आइसक्रीम के बिजनेस से खुली, अब 153 करोड़ रुपये का साम्राज्य

नई दिल्ली, एजेंसी। माता-पिता की मौत के बाद परिवार की जिम्मेदारी उठाने के लिए उन्होंने कारोबार शुरू किया। कभी रेनकोट और पटाखे बेचने वाले एस प्रभाकर कामथ ने आगे चलकर मंगलुरु में आइसक्रीम का ऐसा ब्रांड खड़ा किया, जो आज हजारों दुकानों तक पहुंच चुका है। साल 1975 में एक छोटे से पार्लर से शुरू हुआ आइडियल आइसक्रीम का कारोबार वित्त वर्ष 2024-25 में 153.2 करोड़ रुपये के रेवेन्यू तक पहुंच गया। प्रभाकर कामथ ने 1 मई 1975 को कर्नाटक के मंगलुरु में मार्केट रोड पर आइडियल आइसक्रीम का पहला पार्लर खोला। यहां करीब 14 फ्लेवर की आइसक्रीम मिलती थीं। स्वाद, अच्छी क्वालिटी और किफायती कीमतों के कारण लोगों को उनकी आइसक्रीम पसंद आने लगी। दो साल के भीतर ही कारोबार इतना बढ़ गया कि पार्लर पर ग्राहकों की कतारें लगने लगीं। धीरे-धीरे आइडियल आइसक्रीम मंगलुरु में लोकप्रिय हो गया। प्रभाकर कामथ ने कारोबार की नींव रखी, लेकिन अगली पीढ़ी ने इसे बड़े स्तर पर पहुंचाया।

एयरफोर्स में जाना चाहते थे प्रभाकर

एस प्रभाकर कामथ का सपना भारतीय वायुसेना में शामिल होने का था। लेकिन 20 साल की उम्र में माता-पिता की मौत के बाद परिवार और भाई-बहनों की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। ऐसे में उन्हें अपना सपना छोड़कर कमाई के लिए कारोबार शुरू करना पड़ा। शुरुआत में उन्होंने कपड़े सिलने के काम में इस्तेमाल होने वाली सामग्री और रेनकोट बेचे। इसके बाद पटाखों के मौसमी कारोबार में भी हाथ आजमाया। लेकिन वह ऐसा बिजनेस करना चाहते थे, जिसकी मांग पूरे साल बनी रहे। इसी तलाश में उन्होंने गन्ने का जूस बेचने जैसे कई विकल्पों पर विचार किया। हालांकि, यह काम आगे नहीं बढ़ पाया।

घर पर बनानी सीखी आइसक्रीम

प्रभाकर कामथ ने शुरुआत में तैयार आइसक्रीम बेचने के लिए फ्रीजर खरीदे। लेकिन उन्हें आइसक्रीम की सप्लाई करने वाले डीलर नहीं मिले। इसके बाद उन्होंने खुद ही आइसक्रीम बनाने का फैसला किया। उन्होंने घर पर अलग-अलग प्रयोग करके आइसक्रीम बनाना सीखा और अपने बनाए स्वाद को परखने के लिए पड़ोसियों को भी खिलाया। धीरे-धीरे उनके प्रयोग सफल होने लगे। उनके बेटे मुकुंद कामथ ने एक इंटरव्यू में बताया था कि तैयार आइसक्रीम के डीलर नहीं मिलने के कारण उनके पिता ने खुद आइसक्रीम बनाने का फैसला किया था। इसके बाद आइसक्रीम का कारोबार शुरू करने का विचार आया, जिसने उनकी जिंदगी बदल दी।

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, अंबाला कैंट भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए उत्तर रेलवे के अंबाला मंडल के रेलवे स्टेशनों पर अनुबंधों के आवंटन के लिए IREPS वेबसाइट पर ई-ऑक्शन के माध्यम से बोलियां आमंत्रित करते हैं।

लॉट संख्या	विवरण	नीलामी प्रारंभ तिथि/ समय
ADVT-UMB-BTI-OH-39-22-2	बठिंडा में होर्डिंग/ यूनिपोल के प्रदर्शन हेतु थोक वाणिज्यिक विज्ञापन अनुबंध, जिसका कुल क्षेत्रफल 720 वर्ग फुट है।	02.11.2026 12.00.00 hrs
ADVT-UMB-UMB-OSD-393-26-1	अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन पर 86 इंच क्षेत्रफल वाली 01 एलईडी स्क्रीन के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन अधिकार (डिजिटल) तीन वर्ष की अवधि के लिए।	02.11.2026 12.00.00 hrs
ADVT-UMB-BTI-OSD-391-26-1	बठिंडा रेलवे स्टेशन पर 10' x 8' अर्थात 80 वर्ग फुट क्षेत्रफल वाली 01 वीडियो वॉल के माध्यम से तीन वर्ष की अवधि के लिए वाणिज्यिक विज्ञापन अधिकार (डिजिटल)।	02.11.2026 12.00.00 hrs
ADVT-UMB-KLK-OSN-380-26-1	कालका (KLK) रेलवे स्टेशन पर 24 इंच व्यास वाले 22 नॉन-डिजिटल गोलाकार विज्ञापन बोर्डों तथा प्रत्येक 2.5 मीटर x 1 मीटर आकार अर्थात प्रत्येक का क्षेत्रफल 2.5 वर्ग मीटर वाले 4 बोर्डों से युक्त नॉन-डिजिटल आर.डी.एन. के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन हेतु स्थान।	02.11.2026 12.00.00 hrs
ADVT-UMB-BTI-OSN-377-26-1	बठिंडा रेलवे स्टेशन पर नॉन-डिजिटल आर. डी. एन. के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन हेतु 1014 वर्ग फुट स्थान (स्थल योजना के अनुसार)।	02.11.2026 12.00.00 hrs
ADVT-UMB-SIR-OSN-379-26-1	खन्ना (KNN) रेलवे स्टेशन पर 24 इंच व्यास वाले 14 नॉन-डिजिटल गोलाकार विज्ञापन बोर्डों तथा सरहिंद (SIR) रेलवे स्टेशन पर 18 इंच व्यास वाले 20 नॉन-डिजिटल गोलाकार विज्ञापन बोर्डों से युक्त नॉन-डिजिटल आर.डी.एन. के माध्यम वाणिज्यिक विज्ञापन हेतु स्थान (स्थल योजना के अनुसार)।	02.11.2026 12.00.00 hrs
ADVT-UMB-KDZ-OSN-376-26-1	नैरो गेज (कालका-शिमला) खंड पर कंडाघाट (240 वर्ग फुट), तारादेवी (300 वर्ग फुट), सालोगड़ा (240 वर्ग फुट), कैथलीघाट (480 वर्ग फुट), शोघी (240 वर्ग फुट) रेलवे स्टेशनों पर नॉन-डिजिटल आर.डी.एन. के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन हेतु स्थान (स्थल योजना के अनुसार)।	02.11.2026 12.00.00 hrs
ADVT-UMB-YJUD-OSN-375-26-1	यमुनानगर जगाधरी रेलवे स्टेशन पर नॉन-डिजिटल आर.डी.एन. के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन हेतु 720 वर्ग फुट स्थान (स्थल योजना के अनुसार)।	05.11.2026 12.00.00 hrs
ADVT-UMB-JUDW-OSN-374-26-1	जगाधरी वर्कशॉप रेलवे स्टेशन पर नॉन-डिजिटल आर.डी.एन. के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन हेतु 360 वर्ग फुट स्थान (स्थल योजना के अनुसार)।	05.11.2026 12.00.00 hrs

नीलामी/ लीजिंग आमंत्रण सूचना, नीलामी प्रपत्र एक बार पंजीकरण व अधिक जानकारी हेतु रेलवे वेब साईट www.ireps.gov.in पर जायें।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

3707/2026

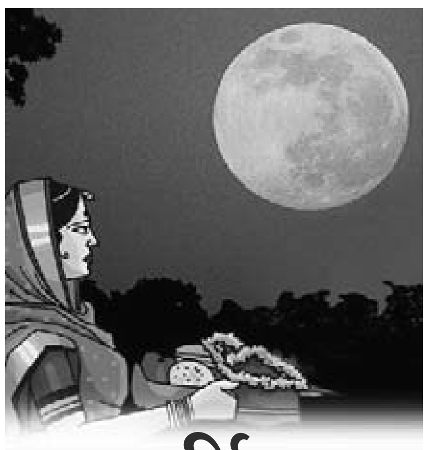

शरद पूर्णिमा

इस दिन बरसेगा अमृत

हिन्दू धर्म में पूर्णिमा का काफी महत्व होता है, लेकिन अश्विन माह की पूर्णिमा यानी शरद पूर्णिमा को सबसे बड़ी पूर्णिमा माना जाता है। वर्ष 2026 में शरद पूर्णिमा 25 अक्टूबर 2026 को मनाई जाएगी। इस पूर्णिमा को कोजागिरी पूर्णिमा भी कहते हैं। शास्त्रों के अनुसार इस दिन अनुष्ठान करना सफल होता है। मान्यता है कि इस दिन चांद के प्रकाश में मौजूद रासायनिक तत्व सीधे धरती पर गिरते हैं और उसकी किरणों के नीचे रखकर किसी खाद्य पदार्थ को खाना सेहत के लिए भी अच्छा होता है। शरद पूर्णिमा से शरद ऋतु का आरम्भ होता है। इस दिन चन्द्रमा संपूर्ण और सोलह कलाओं से युक्त होता है।- इस दिन चन्द्रमा से अमृत की वर्षा होती है, जिससे धन, प्रेम और स्वास्थ्य मिलता है।- इस रोशनी के नीचे खीर बनाकर रखने से और फिर उसको खाने से शरीर को कई तरह के रोगों से मुक्ति मिलती है। प्रेम और कलाओं से परिपूर्ण होने के कारण श्री कृष्ण ने इसी दिन महारास रचाया था।- शरद पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी की पूजा करना चाहिए।- ओम श्रीं ओम और ओम ह्रीं ओम महालक्ष्मये नमः मंत्र का 108 बार जाप करना शुभ माना गया है।

शरद पूर्णिमा व्रत विधि

पूर्णिमा के दिन सुबह में इष्ट देव का पूजन करना चाहिए।- इन्द्र और महालक्ष्मी जी का पूजन कर घी के दीपक जलाकर उसकी पूजा करनी चाहिए।- ब्राह्माणों को खीर का भोजन कराना चाहिए और उन्हें दान दक्षिणा प्रदान करनी चाहिए।- रात को चन्द्रमा को अर्घ्य देने के बाद ही भोजन करना चाहिए।- मंदिर में खीर आदि दान करने का विधि-विधान है. इस दिन पूर्ण रूप से जल और फल आधारित उपवास रखना या सात्विक आहार ग्रहण करना चाहिए।- इस दिन काले रंग का प्रयोग न करें, चमकदार सफेद रंग के वस्त्र धारण करना बेहतर होगा।

ये है मान्यता

चांदनी रात में 10 से मध्यरात्रि 12 बजे के बीच कम वस्त्रों में घूमने वाले व्यक्ति को ऊर्जा प्राप्त होती है। शोध के मुताबिक खीर को चांदी के बर्तन में बनाना चाहिए। चांदी में प्रतिरोधक क्षमता अधिक होती है। इससे विषाणु दूर रहते हैं। शरद पूर्णिमा की रात दमा रोगियों के लिए वरदान की तरह है। इस रात दिव्य औषधि को खीर में मिलाकर उसे चांदनी रात में रखकर प्रातः 4 बजे सेवन किया जाता है। रोगी को रात्रि जागरण और औषधि सेवन के बाद 2-3 किमी पैदल चलना लाभदायक रहता है। लंकाधिपति रावण भी शरद पूर्णिमा की रात किरणों को दर्पण के माध्यम से अपनी नाभि पर ग्रहण करता था। इससे उसे पुनर्योवन शक्ति प्राप्त होती थी।

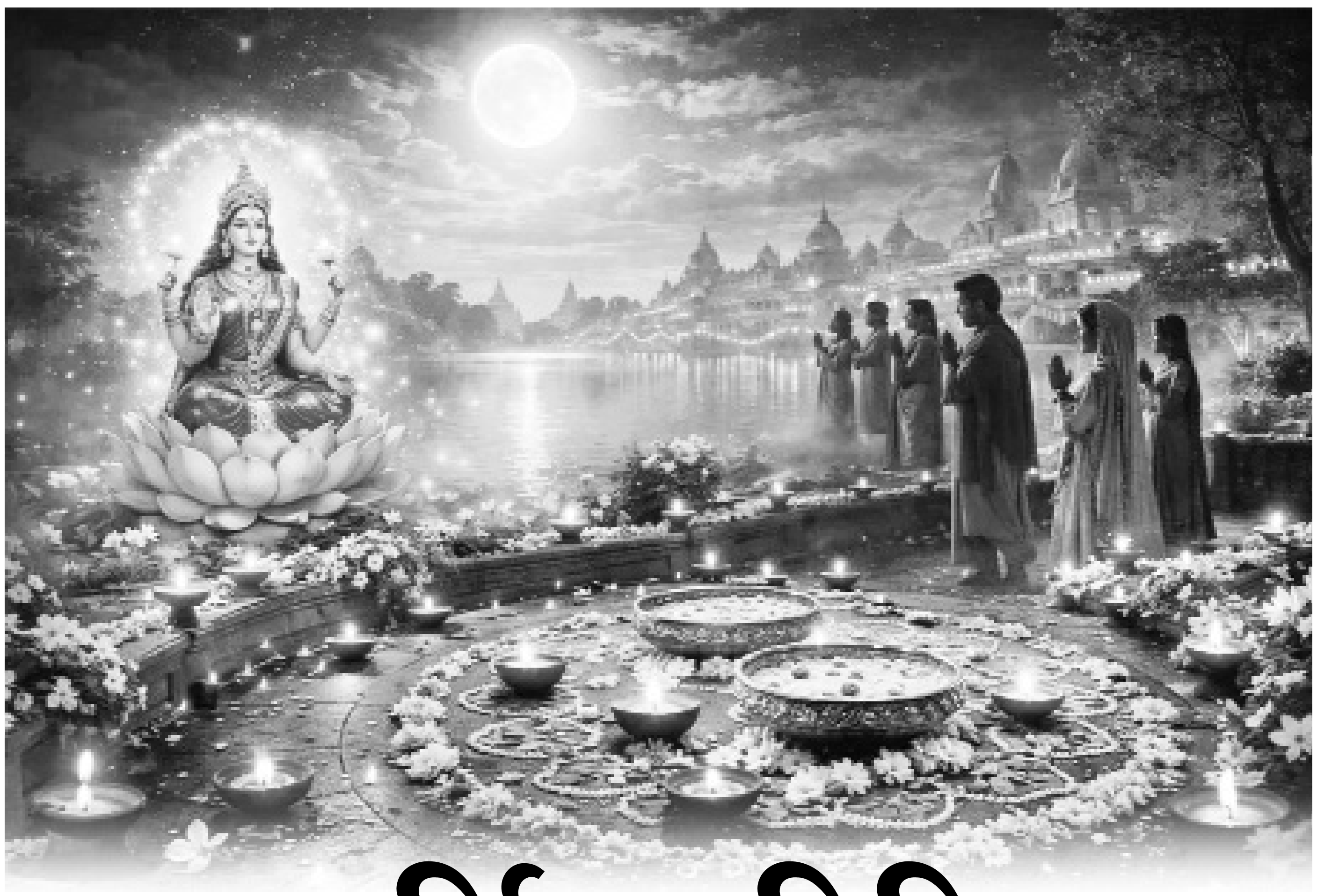

शरद पूर्णिमा : तिथि, पूजा विधि और खीर का महत्व

सनातन धर्म में पूर्णिमा तिथि को विशेष पुण्यदायी माना गया है, लेकिन आश्विन मास की पूर्णिमा, जिसे शरद पूर्णिमा, कोजागरी पूर्णिमा और रास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है, अपने धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व के कारण विशेष स्थान रखती है। शरद ऋतु के आगमन का यह पावन पर्व भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य रासलीला, माता लक्ष्मी की आराधना, चंद्र उपासना और दान-पुण्य से जुड़ा हुआ है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शरद पूर्णिमा की रात्रि अत्यंत पवित्र होती है। इस दिन चंद्रमा अपनी पूर्ण आभा के साथ प्रकाशित होता है और चंद्रमा की शीतल चांदनी में साधना, आराधना तथा भगवान का स्मरण करने की परंपरा रही है। यही कारण है कि शरद पूर्णिमा को श्रद्धा, भक्ति और पुण्य-संचय का विशेष अवसर माना जाता है।

शरद पूर्णिमा का धार्मिक महत्व

शरद पूर्णिमा को लेकर सनातन परंपरा में अनेक धार्मिक मान्यताएं प्रचलित हैं। कहा जाता है कि इस रात्रि चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से पूर्ण होकर विशेष रूप से प्रकाशित होता है। सनातन दर्शन में चंद्रमा को मन का कारक माना गया है, इसलिए पूर्णिमा की शीतल चांदनी को मन की शांति और आध्यात्मिक भाव जागृत करने वाली माना जाता है। सोलह कलाओं की मान्यता का संबंध भगवान श्रीकृष्ण से भी जोड़ा जाता है। भगवान श्रीकृष्ण को सोलह कलाओं से पूर्ण अवतार माना गया है। इसलिए शरद पूर्णिमा का पर्व भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति और उनके दिव्य स्वरूप के स्मरण का भी अवसर बन जाता है।

माता लक्ष्मी की आराधना का महत्व

शरद पूर्णिमा को कोजागरी पूर्णिमा भी कहा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस पावन रात्रि में माता लक्ष्मी का स्मरण और पूजन करने से घर में सुख, समृद्धि और मंगल का वास होता है। इस दिन श्रद्धालु अपने घर की सफाई करते हैं, संध्या के समय दीप प्रज्वलित करते हैं और विधिपूर्वक माता लक्ष्मी की आराधना करते हैं। कई स्थानों पर रात्रि जागरण की भी परंपरा है। भक्तजन भजन, कीर्तन और भगवान के नाम-स्मरण के माध्यम से रात्रि व्यतीत करते हैं।

खीर रखने की परंपरा

शरद पूर्णिमा की सबसे प्रसिद्ध परंपराओं में से एक है रात्रि में खीर को चंद्रमा की चांदनी में रखना। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस रात्रि चंद्रमा की किरणों में अमृतमयी प्रभाव होता है। इसी श्रद्धा के कारण दूध और चावल से बनी खीर को खुले आकाश के नीचे रखा जाता है और अगले दिन उसे प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है। ब्रज क्षेत्र में खीर के साथ विशेष प्रकार की मिठाई बनाने की भी परंपरा है। श्रद्धालु इसे चंद्रमा की शीतल किरणों के समक्ष रखते हैं और अगले दिन प्रातः प्रसाद रूप में ग्रहण करते हैं।

शरद पूर्णिमा पर दान का महत्व

सनातन परंपरा में दान को पुण्यकारी कर्म माना गया है। दान केवल धन देने का माध्यम नहीं, बल्कि अपने भीतर त्याग, करुणा और परोपकार की भावना को जागृत करने का साधन भी है। धार्मिक ग्रंथों में पात्र व्यक्ति को श्रद्धापूर्वक दान देने की महिमा का वर्णन मिलता है। कूर्म पुराण में कहा गया है-

**स्वर्गायुर्भूतिकामेन तथा पापोपशान्तये।
मुमुक्षुणा च दातव्यं ब्राह्मणेभ्यस्तथाऽऽवहम॥**

अर्थात् स्वर्ग, दीर्घायु और ऐश्वर्य की इच्छा रखने वाले तथा पापों की शांति और मोक्ष की कामना करने वाले व्यक्ति को योग्य पात्रों को श्रद्धापूर्वक दान करना चाहिए। दान में भावना और पात्रता को विशेष महत्व दिया गया है। इसलिए शरद पूर्णिमा जैसे पुण्य अवसर पर जरूरतमंदों की सेवा और अन्नदान को सेवा का श्रेष्ठ माध्यम माना जाता है।

शरद पूर्णिमा पर करें अन्नदान

शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर पूजा-पाठ और आराधना के साथ अन्नदान एवं सेवा का संकल्प लें। किसी जरूरतमंद को भोजन कराना उसके प्रति करुणा और मानवता का भाव प्रकट करना है।

शरद पूर्णिमा और भगवान श्रीकृष्ण की रासलीला

ब्रजभूमि में शरद पूर्णिमा को रास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। श्रीमद्भागवत महापुराण में भगवान श्रीकृष्ण की रासलीला का दिव्य वर्णन मिलता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, शरद पूर्णिमा की पावन रात्रि में वृंदावन में भगवान श्रीकृष्ण ने गोपियों के साथ दिव्य महारास किया था। भगवान श्रीकृष्ण की बांसुरी की मधुर ध्वनि से आकृष्ट होकर गोपियां उनके समीप पहुंचीं और भगवान के साथ दिव्य रास में सहभागी बनीं। सनातन परंपरा में इस रास को सांसारिक नृत्य नहीं, बल्कि जीवात्मा और परमात्मा के दिव्य प्रेम एवं समर्पण के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। इसी कारण ब्रज क्षेत्र में शरद पूर्णिमा की रात्रि विशेष भक्ति, संकीर्तन, रासलीला और श्रीकृष्ण आराधना के साथ मनाई जाती है।

विशेष गुणकारी, श्रेष्ठ किरणों और औषधियुक्त होती है शरद पूर्णिमा की चांदनी रात

शरद पूर्णिमा चन्द्रमा की चांदनी विशेष गुणकारी, श्रेष्ठ किरणों वाली और औषधियुक्त होती है। इस चांदनी रात में शीतल चन्द्रमा की रोशनी का लाभ उठाना चाहिए।

हिंदू पंचांग के अनुसार पूरे वर्ष में बारह पूर्णिमा आती हैं। पूर्णिमा के दिन चंद्रमा अपने पूर्ण आकार में होता है। पूर्णिमा पर चंद्रमा का अतुल्य सौंदर्य देखते ही बनता है। विद्वानो के अनुसार पूर्णिमा के दिन चंद्रमा पूर्ण आकार में होने के कारण वर्ष में आने वाली सभी पूर्णिमा पर्व के समान हैं। लेकिन इन सभी पूर्णिमा में आश्विन मास कि पूर्णिमा सबसे श्रेष्ठ मानी गई है। यह पूर्णिमा शरद ऋतु में आने के कारण इसे शरद पूर्णिमा भी कहते हैं।

- नेत्रज्योति बढ़ाने के लिए दशहरे से शरद पूर्णिमा तक प्रतिदिन रात्रि में 15 से 20 मिनट तक चन्द्रमा को देखकर त्राटक करें।
- जो भी इन्द्रियां शिथिल हो गई हैं उन्हें पुष्ट करने के लिए चन्द्रमा की चांदनी में रखी खीर रखना चाहिए।
- चंद्र देव,लक्ष्मी मां को भोग लगाकर वैद्यराज अश्विनी कुमारों से प्रार्थना करना चाहिए कि 'हमारी इन्द्रियों का तेज-ओज बढ़ाएं।' तत्पश्चात खीर का सेवन करना चाहिए।
- शरद पूर्णिमा अस्थमा के लिए वरदान की रात होती है। रात को सोना नहीं चाहिए। रात भर रखी खीर का सेवन करने से दमे का दम निकल जाएगा।
- पूर्णिमा और अमावस्या पर चन्द्रमा के विशेष प्रभाव से समुद्र में ज्वार-भाटा आता है। जब चन्द्रमा इतने बड़े समुद्र में उथल-पुथल कर उसे कंपायमान कर देता है तो जरा सोचिए कि हमारे शरीर में जो जलीय अंश है, सप्तधातुएं हैं, सप्त रंग हैं, उन पर चन्द्रमा का कितना गहरा प्रभाव पड़ता होगा।
- शरद पूर्णिमा पर अगर काम-विलास में लिप्त रहें तो विकलांग संतान अथवा जानलेवा बीमारी होती है।
- शरद पूर्णिमा पर पूजा, मंत्र, भक्ति, उपवास, व्रत आदि करने से शरीर तंदुरुस्त, मन प्रसन्न और बुद्धि आलोकित होती है।
- इस रात सूई में धागा पिरोने का अभ्यास करने से नेत्रज्योति बढ़ती है।

खीर का भोग

शरद पूर्णिमा की रात में गाय के दूध से बनी खीर को चंद्रमा कि चांदनी में रखकर उसे प्रसाद-स्वरूप ग्रहण किया जाता है। पूर्णिमा की चांदनी में 'अमृत' का अंश होता है, इस लिये मान्यता यह है कि ऐसा करने से चंद्रमा की अमृत की बूंदें भोजन में आ जाती हैं जिसका सेवन करने से सभी प्रकार की बीमारियां आदि दूर हो जाती हैं। आयुर्वेद के ग्रंथों में भी इसकी चांदनी के औषधीय महत्व का वर्णन मिलता है। रखकर दूध से बनी खीर को चांदनी के में असाध्य रोगों की दवाएं खिलाई जाती है।

शरद पूर्णिमा के दिन कौन से कार्य नहीं करते हैं

शरद पूर्णिमा के दिन दूध या खीर पीने और पिलाने का खासा महत्व है। इस दिन कौन से कार्य नहीं करना चाहिए यह जानना भी जरूरी है। आश्विन माह की इस पूर्णिमा के दिन यदि आप वर्जित कार्य करेंगे तो इससे आपकी सेहत और मन पर बुरा प्रभाव पड़ेगा।

- **भोजन** : इस दिन किसी भी प्रकार के तामसिक भोजन का सेवन नहीं करना चाहिए। जैसे मांस, मटन, चिकन या मसालेदार भोजन, लहसुन, प्याज आदि।
- **शराब** : इस दिन किसी भी हालत में आप शराब ना पिएं क्योंकि इस दिन शराब का दिमाग पर बहुत गहरा असर होता है। इससे शरीर पर ही नहीं, आपके भविष्य पर भी दुष्परिणाम हो सकते हैं।
- **क्रोध** : इस दिन क्रोध नहीं करना चाहिए। वैज्ञानिकों के अनुसार इस दिन चन्द्रमा का प्रभाव काफी तेज होता है इन कारणों से शरीर के अंदर रक्त में न्यूरॉन सेल्स क्रियाशील हो जाते हैं और ऐसी स्थिति में इंसान ज्यादा उत्तेजित या भावुक रहता है। एक बार नहीं, प्रत्येक पूर्णिमा को ऐसा होता रहता है तो व्यक्ति का भविष्य भी उसी अनुसार बनता और बिगड़ता रहता है।
- **भावना** : जिन्हें मंदाग्नि रोग होता है या जिनके पेट में चय-उपचय की क्रिया शिथिल होती है, तब अक्सर सुनने में आता है कि ऐसे व्यक्ति भोजन करने के बाद नशा जैसा महसूस करते हैं और नशे में न्यूरॉन सेल्स शिथिल हो जाते हैं जिससे दिमाग का नियंत्रण शरीर पर कम, भावनाओं पर ज्यादा केंद्रित हो जाता है। अतः भावनाओं में बहें नहीं खुद पर नियंत्रण रखकर व्रत करें।
- **स्वच्छ जल** : चांद का धरती के जल से संबंध है। जब पूर्णिमा आती है तो समुद्र में ज्वार-भाटा उत्पन्न होता है, क्योंकि चंद्रमा समुद्र के जल को ऊपर की ओर खींचता है। मानव के शरीर में भी लगभग 85 प्रतिशत जल रहता है। पूर्णिमा के दिन इस जल की गति और गुण बदल जाते हैं। अतः इस दिन जल की मात्रा और उसकी स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें।
- **लेन-देन** : इस दिन धन का लेन-देन आपको आर्थिक संकट में डाल सकता है। अतः आप किसी भी प्रकार से दन का लेन देन न करें।
- **काले रंग से बचें** : इस दिन काले रंग का प्रयोग न करें और ना ही नकारात्मक बातें सोचे।
- **दान न करें** : इस दिन सूर्यास्त के बाद दान न करें। कहते हैं कि ऐसे करने से घर में गरीबी आती है।
- **बालों में कंघी न करें** : मान्यता अनुसार महिलाएं इस दिन सूर्यास्त के बाद बालों में कंघी न करें, क्योंकि इसे अशुभ माना जाता है।
- **ब्रह्मचर्य का पालन करें** : इस दिन ब्रह्मचर्य का पालन करें अर्थात महिला संग शयन न करें।

संक्षिप्त समाचार

जायसवाल, राहुल, सुदर्शन, जुरेल फ्लॉप

इंडिया ए 113 पर सिमटी

लिंकन। 5 टी20 और 5 वनडे मैचों की सीरीज के बाद भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। भारतीय टेस्ट टीम में शामिल कई खिलाड़ी न्यूजीलैंड ए के खिलाफ शनिवार से शुरू हुए अनाधिकारिक टेस्ट में इंडिया ए का हिस्सा हैं। इंडिया ए के प्रदर्शन को देखते हुए न्यूजीलैंड सीनियर टीम के साथ टेस्ट सीरीज मुश्किल नजर आ रही है। न्यूजीलैंड ए और इंडिया ए के बीच लिंकन के बर्ट

सटक्लिफ ओवल में पहला अनाधिकारिक टेस्ट शुरू हुआ है। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने निराश किया। भारत की तरफ से पारी की शुरुआत करने के लिए यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल आए। राहुल अपना खाता भी नहीं खोल सके और अपनी पारी की आठवीं गेंद पर आउट हो गए। जायसवाल 17 रन बनाकर आउट हुए। साई सुदर्शन 0, कप्तान और विकेटकीपर ध्रुव जुरेल 1 और वाशिंगटन सुंदर 0 पर आउट हो गए। ये सभी सीनियर टीम के हिस्से हैं और प्लेइंग इलेवन में इनका खेलना भी तय है। ऐसे में इन खिलाड़ियों का निराशाजनक प्रदर्शन सीनियर न्यूजीलैंड के साथ टेस्ट सीरीज से पहले भारत के लिए चिंता का विषय है।

'बॉल-टैम्परिंग विवाद'

स्मिथ की कोई गलती नहीं थी: डू प्लेसिस

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डू प्लेसिस ने 2018 में ऑस्ट्रेलिया के दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान केपटाउन टेस्ट में हुए बॉल-टैम्परिंग विवाद और स्टीव स्मिथ पर दिल खोलकर बात की। फाफ डू प्लेसिस ने क्रिकइन्फो पर कहा, '2018 में केपटाउन टेस्ट में बॉल-टैम्परिंग विवाद के बाद जब स्मिथ ने प्रेस के सामने आकर घटना की जिम्मेदारी ली

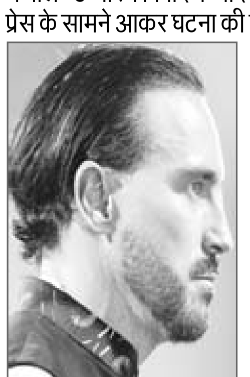

थी, तो मुझे बहुत हैरानी हुई थी। मैंने कहा था कि तुम जिम्मेदारी क्यों ले रहे हो? तुमने कुछ गलत नहीं किया। मीडिया ने जैसे उस पर दबाव डाला, सब कुछ अचानक सामने आ गया। यह बिल्कुल वैसा ही था, जैसा मेरे साथ हुआ था।' डू प्लेसिस ने कहा कि मुश्किल समय में उन्होंने स्मिथ को मैसेज किया था। 'मैंने लिखा था—सुनो, मुझे बहुत दुख है कि तुम इस दौर से गुजर रहे हो। बस हिम्मत रखो। एक सप्ताह तक नरक जैसा लगेगा, फिर सब ठीक हो जाएगा। हमें नहीं पता था कि उसे इससे उबरने में एक साल लग जाएगा। हमने कहा था—हम तुम्हारे साथ हैं।' घटना के बाद स्टीव स्मिथ के हाथ से ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी चली गई थी और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने उन पर एक साल का बैन लगा दिया था। उप-कप्तान डेविड वॉर्नर और कैमरन बैनक्रॉफ्ट पर भी बैन लगा।

तिलक-नीतीश ने न्यूजीलैंड के जबड़े से छीनी जीत

भारत ने दूसरे टी20 में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया, भारत 2-0 से आगे

क्राइस्टचर्च। भारत ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में 4 विकेट से हराया। हेगले ओवल के मैदान पर न्यूजीलैंड से मिले 181 रनों के लक्ष्य को टीम इंडिया ने 6 विकेट खोकर 19.5 ओवर में हासिल किया। 181 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा ने सधी हुई शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 4.4 ओवर में 40 रन जोड़े। संजू सैमसन संघर्ष करते नजर आए और वह 17 गेंदों में 14 रन बनाकर आउट हुए। अभिषेक 21 गेंदों में 27 रन बनाने के बाद मिचेल सैंटनर का शिकार बने। ईशान किशन की जगह पर प्लेइंग इलेवन में शामिल किए गए वैभव सूर्यवंशी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 8 गेंदों का सामना करने के बाद सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान श्रेयस अय्यर का बल्ला भी खामोश रहा और वह 11 गेंदें खेलने के बाद 7 रन बनाकर मिचेल सैंटनर की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए। अक्षर पटेल भी कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके और वह 11 रन बनाकर आउट हुए। नमन धीर ने कुछ दमदार शॉट्स लगाए और वह 17 गेंदों में 31 रन बनाने के बाद पवेलियन लौटे। हालांकि, अंत के ओवरों में नीतीश कुमार रेड्डी और तिलक वर्मा ने मोर्चा संभाला और सातवें विकेट के लिए 30 गेंदों में 69 रनों की अटूट साझेदारी निभाते हुए भारतीय टीम को जीत दिलाई। तिलक ने 26 गेंदों में 6 चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 51 रन बनाए, जबकि नीतीश कुमार रेड्डी 13 गेंदों में 26 रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की ओर से मिचेल सैंटनर ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 21 रन देकर 4 विकेट चटकाए। इससे पहले, न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 5 विकेट गंवाकर स्कोरबोर्ड पर 180 रन लगाए। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टिम सीफर्ट 7 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, डेरिल मिचेल 6 रन बनाकर पवेलियन लौटे। फिन एलन 14 गेंदों में 16 रन बनाकर प्रिंस यादव की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए। हालांकि, इसके बाद ग्लेन फिलिप्स और बेवन जैकब्स ने मोर्चा संभाला और चौथे विकेट के लिए 76 गेंदों में 116 रनों की साझेदारी निभाई।

प्रतिका रावल की शतकीय पारी

श्री चरणी का चला जादू, भारतीय टीम ने पहले वनडे में जिम्बाब्वे को 9 विकेट से रौंदा

वडोदरा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जिम्बाब्वे को पहले वनडे मुकाबले में 9 विकेट से रौंदा। बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में जिम्बाब्वे से मिले 198 रनों के लक्ष्य को भारतीय टीम ने सिर्फ एक विकेट खोकर 27.1 ओवर में हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत शानदार रही। पहले विकेट के लिए कप्तान स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल ने मिलकर 15.3 ओवर में 94 रन जोड़े। मंधाना 34 गेंदों का सामना करने के बाद 32 रन बनाकर आउट हुईं। हालांकि, प्रतिका ने एक छोर को संभाले रखा और उन्होंने शेफाली वर्मा संग मिलकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। शेफाली ने 33 गेंदों का सामना करते हुए 64 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान शेफाली ने 5 चौके और 4 छक्के लगाए। वहीं, प्रतिका ने 96 गेंदों में 100 रनों की नाबाद पारी खेली। प्रतिका ने अपनी इस इनिंग में 15 चौके लगाए। शेफाली और प्रतिका ने दूसरे विकेट के लिए मिलकर 70 गेंदों में 106 रनों की अटूट साझेदारी निभाई। इससे पहले, भारतीय गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के आगे जिम्बाब्वे की बल्लेबाजों ने आसानी से घुटने टेक दिए और पूरी टीम 49.5 ओवर में 197 रन बनाकर ऑलआउट हुई। जिम्बाब्वे की ओर से बिलडड बीजा ने सर्वाधिक 62 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी में 5 चौके लगाए। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और लोरीन फिरी सिर्फ एक रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद मोडेस्टर मुफिकवा अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सकीं और 25 रन बनाने के बाद श्री चरणी का शिकार बनीं। चिपो मुगेरी-ट्रिपानो 21 रन बनाकर आउट हुईं। शार्न मेयर्स 8 रन बनाकर दीप्ति शर्मा की गेंद पर पवेलियन लौटीं। न्याशा ग्वांजुरा 28 गेंदों में 13 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि चिएड्जा धुरु 10 रन बनाकर क्रांति गौड़ की बेहतरीन गेंद पर क्लीन बोल्ड हुईं। जिम्बाब्वे की चार बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर सकीं। गेंदबाजी में भारत की ओर से श्री चरणी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 ओवर के स्पेल में सिर्फ 23 रन देकर 4 विकेट अपने नाम किए।

टेनिस कोर्ट पर धमाल मचाने के बाद सानिया

मिर्जा की पॉडकास्ट में धमाकेदार वापसी

मुंबई। टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने पॉडकास्ट 'सर्विंग इट अप विद सानिया' के दूसरे सीजन के साथ वापसी की है। खेल, एंटरटेनमेंट और बेबाक बातचीत को एक साथ लाने वाले इस पॉडकास्ट के पहले एपिसोड में एक्टर सोनाक्षी सिन्हा

पहले गेस्ट होंगे सोनाक्षी-जहीर

और जहीर इकबाल नजर आएंगे, जो अपने रिश्ते, शादी और साथ काम करने को लेकर खुलकर बात करते दिखेंगे। पॉडकास्टर के तौर पर अपने सफर के बारे में बात करते हुए सानिया मिर्जा ने कहा, 'जब मैंने पहली बार पॉडकास्टिंग में हाथ आजमाया, तो मुझे यकीन नहीं था कि मुझे इसमें कितना मजा आएगा, लेकिन समय के साथ-साथ मुझे एहसास हुआ कि ऐसी बातचीत और लोगों को उनकी इमेज से

अलग जानना कितना मनोरंजक होता है। सानिया मिर्जा ने दूसरे सीजन की वापसी पर खुशी जाहिर करते हुए बताया, 'पहले सीजन की सफलता और दर्शकों के रिस्पॉन्स ने मुझे सीजन-2 के साथ वापस आने की और बड़ी वजह दे दी।

मुंबई इंडियंस को डब्ल्यूपीएल में सुषमा वर्मा के लिए बड़ी बोली लगानी चाहिए: रीमा मल्होत्रा

नई दिल्ली। भारत की पूर्व क्रिकेटर रीमा मल्होत्रा ??का मानना ??है कि मुंबई इंडियंस को आने वाली विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2027 के ऑक्शन में विकेटकीपर-बैटर सुषमा वर्मा को टारगेट करना चाहिए ताकि टॉप ऑर्डर में उनकी चिंताओं को दूर किया जा सके। रीमा के मुताबिक, मुंबई को अपना ओपनिंग कॉम्बिनेशन ठीक करना होगा और विकेटकीपर-बैटर जी कमलिनी का रिप्लेसमेंट ढूंढना होगा, साथ ही पांचवें सीजन से पहले अपने स्पिन और तेज गेंदबाजी विकल्पों को भी मजबूत करना होगा। मुंबई इंडियंस, जो डब्ल्यूपीएल 2026 में प्लेऑफ से चूक गई थी, ने कप्तान हरमनप्रीत कौर की लीडरशिप में 11 खिलाड़ियों के एक कोर ग्रुप को रिटेन किया है। फ्रेंचाइजी 28 अक्टूबर को कोच्चि में होने वाले ऑक्शन में 1 करोड़ रुपये के पर्स के साथ उतरेगी।

रीमा ने जियोस्टार को बताया, 'मुंबई इंडियंस के लिए सबसे अच्छी बात यह है कि वे सबसे कम पैसे के साथ ऑक्शन में जा रहे हैं, जिसका मतलब है कि उन्हें सबसे कम समस्या होगी। उन्होंने अपने कोर ग्रुप को बनाए रखा है, लेकिन कुछ समस्याओं को दूर करने की जरूरत है। एक बड़ी समस्या उनकी ओपनिंग जोड़ी है।' उन्होंने कहा, 'पिछले सीजन में, जी. कमलिनी ने हेली मैथ्यूज के साथ ओपनिंग की थी, और फिर अमेलिया केर को भी ओपनर के तौर पर आजमाया गया था।

मुंबई इंडियंस ने कीरोन पोलार्ड को हेड कोच बनाया

मुंबई। मुंबई इंडियंस (एमआई) ने वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज ऑल-राउंडर कीरोन पोलार्ड को अपना नया हेड कोच नियुक्त किया है। एमआई ने शनिवार को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पेज पर पोलार्ड को हेड कोच नियुक्त किए जाने की घोषणा की। पोलार्ड पिछले 16 साल से टीम से जुड़े हुए हैं। कीरोन पोलार्ड 22 साल की उम्र में 2010 में मुंबई इंडियंस के साथ जुड़े थे। फ्रेंचाइजी को 5

बार चैंपियन बनाने में पोलार्ड ने गेंद और बल्ले से बड़ी भूमिका निभाई है। 2022 तक वह टीम के साथ एक खिलाड़ी के रूप में जुड़े थे। इसी सीजन उन्होंने लीग से संन्यास लिया और फ्रेंचाइजी ने उन्हें टीम का बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया था। पिछले 4 सीजन बल्लेबाजी कोच के रूप में काम करने के बाद पोलार्ड की जिम्मेदारी बढ़ाते हुए फ्रेंचाइजी ने उन्हें मुख्य कोच नियुक्त कर दिया। पोलार्ड की हेड कोच के रूप में नियुक्ति एमआई टीम प्रबंधन के उन पर भरोसे को दिखाती है।

ब्लाइंड क्रिकेट एशिया कप: भारत की 17 सदस्यीय पुरुष टीम का ऐलान

खिताब का बचाव करने की होगी चुनौती

नई दिल्ली। भारत ने दूसरे पुरुष ब्लाइंड क्रिकेट एशिया कप के लिए 17 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। यह टूर्नामेंट 15 से 20 नवंबर तक बांग्लादेश के ढाका में आयोजित होगा। मौजूदा चैंपियन भारत, एक दशक के लंबे अंतराल के बाद हो रहे इस टूर्नामेंट में अपना खिताब का बचाव करने उतरेगा। क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया (सीएबीआई) ने 10 दिनों के गहन चयन और कोचिंग कैंप के बाद इस टीम की पुष्टि की, जिसमें 24 संभावित खिलाड़ी शामिल थे।

बांग्लादेश में होने वाले इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए रवाना होने से पहले, चुने गए खिलाड़ी दिल्ली एनसीआर में एक महीने के तैयारी कैंप में हिस्सा लेंगे। इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में बल्लेबाजी, गेंदबाजी, फील्डिंग, फिटनेस, कंडीशनिंग और मैच की रणनीति

पर ध्यान दिया जाएगा। चयन प्रक्रिया के दौरान खिलाड़ियों का उनके प्रदर्शन, फिटनेस स्तर, तकनीकी कौशल और समग्र तैयारियों के आधार पर आकलन किया गया। बी1 श्रेणी में नरेश तुमदा, संजय कुमार शाह, देबराज बेहरा, अशोक रेड्डी, प्रवीण कुमार शर्मा और मुकेश कुमार रावत को चुना गया है।

बी2 श्रेणी में दुन्ना वेंकटेश्वर राव, रणबीर सिंह, लोकेशा, मनीष कुमार और नकुला बडनायक शामिल हैं। वहीं, बी3 श्रेणी में दुर्गा राव टोम्पाकी, सुनील रमेश, सुखराम माझी, ए. रवि, दिनेश रथवा और दीपक को टीम में जगह मिली है।

सीएबीआई के चेयरमैन डॉ. महांतेश जी. किवादासनवर ने चुने गए खिलाड़ियों को बधाई दी और उनकी तैयारियों पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा, 'पुरुष ब्लाइंड क्रिकेट एशिया कप 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुने गए 17 खिलाड़ियों को बधाई। हर खिलाड़ी ने राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है।

गुरजीत कौर: भारतीय महिला हॉकी टीम को पहली बार ओलंपिक सेमीफाइनल में पहुंचाने वाली खिलाड़ी

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम लगातार वैश्विक मंचों पर अपना दबदबा साबित कर रही है। इसमें गुरजीत कौर जैसी बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का अहम योगदान रहा है। गुरजीत अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश के लिए पदक जीतने वाली भारतीय टीमों का हिस्सा रही हैं। उन्होंने भारतीय टीम को पहली बार ओलंपिक सेमीफाइनल में पहुंचाने में मदद की थी। गुरजीत कौर का जन्म 25 अक्टूबर 1995 को मियादी कलां, अमृतसर, पंजाब में हुआ था। उनका जन्म एक किसान परिवार में हुआ था। उनकी एक बड़ी बहन है, प्रदीप कौर। गुरजीत के पिता सतनाम सिंह ने अपनी बेटियों को बेहतर शिक्षा के लिए 70 किलोमीटर दूर पंजाब के तरनतारन जिले के कैरों में एक बोर्डिंग स्कूल में भेजने का फैसला किया। कैरों महिलाओं की सबसे पुरानी और सबसे मशहूर हॉकी नर्सरियों में से एक थी, और यहीं पर दोनों बहनों को इस खेल के लिए अपने जुनून का पता चला। हॉकी में उनके बेहतरीन खेल की वजह से उन्हें स्कूल के सरकारी विंग में जगह मिली, जहां उन्हें मुफ्त पढ़ाई और खाना मिलता था, जिससे बहनों के पैसे की तंगी से जूझ रहे माता-पिता को राहत मिली।

गुरजीत कौर ने 2011 तक कैरन में अपनी पढ़ाई जारी रखी, जिसके बाद वह अपनी पढ़ाई और ट्रेनिंग जारी रखने के लिए जालंधर के लायलपुर खालसा कॉलेज फॉर विमेन चली गई - यहीं से वह ड्रैग-फ्लिकिंग को लेकर सीरियस हुईं। इसके बाद, उन्हें इलाहाबाद में इंडियन रेलवे में जूनियर क्लर्क

के तौर पर नौकरी मिल गई।

घरेलू स्तर पर शानदार प्रदर्शन के बाद गुरजीत को 2014 में भारतीय टीम में खेलने का मौका मिला। इसके बाद से वह टीम का हिस्सा रही हैं। वह डिफेंडर के तौर पर खेलती हैं। साथ ही ड्रैग फ्लिकर भी हैं। भारत के लिए वह 137 मैचों में 86 गोल कर चुकी हैं।

गुरजीत कौर जकार्ता में 2018 में आयोजित एशियन गेम्स में सिल्वर जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रही हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में गुरजीत कौर ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली टीम का हिस्सा थीं। वह 2018 में एशिया कप में गोल्ड और 2022 एशिया कप में ब्रॉन्ज जीतने वाली टीम का भी हिस्सा रही हैं।

गुरजीत 2018 एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में सिल्वर, 2022 में स्पेन में एफआईएच नेशन कप में गोल्ड और 2016 में गुवाहाटी में आयोजित दक्षिण एशियाई गेम्स में गोल्ड जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रही हैं। गुरजीत कौर ने 2020 के समर ओलंपिक (टोक्यो) में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र गोल करके भारत को पहली बार ओलंपिक महिला हॉकी के सेमीफाइनल में पहुंचने में मदद की थी।

31 साल की होने जा रही गुरजीत अभी भी एक खिलाड़ी के तौर पर सक्रिय हैं और युवा खिलाड़ियों के लिए बड़ी रोल मॉडल के तौर पर उभरी हैं।

पंचकूला में दिसंबर में लगेगा भव्य स्वदेशी महोत्सव-2026, 300 से अधिक स्टॉलों पर दिखेगी 'आत्मनिर्भर भारत' की ताकत

'विरासत के भारत' थीम पर देशभर की कला, संस्कृति, हस्तशिल्प और स्वदेशी उत्पादों का होगा संगम; स्थानीय व्यापार, रोजगार और भारतीय उद्यमिता को बढ़ावा देने पर रहेगा विशेष जोर

स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय सह-समन्वयक डॉ. राजेश गोयल ने प्रेस वार्ता में साझा की रूपरेखा; नागरिकों से भारतीय उत्पाद अपनाने और स्थानीय बाजारों को मजबूत करने की अपील

जगदीप शर्मा, पंचकूला। भारतीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने, देश की सांस्कृतिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाने और आर्थिक आत्मनिर्भरता के संकल्प को मजबूत करने के उद्देश्य से पंचकूला में दिसंबर 2026 में भव्य स्वदेशी महोत्सव-2026 का आयोजन किया जाएगा। स्वदेशी जागरण मंच की ओर से आयोजित होने वाले इस महोत्सव में देशभर के स्वदेशी उत्पादों, पारंपरिक हस्तशिल्प, भारतीय कला-संस्कृति, स्थानीय उद्यमिता और देशी उद्योगों की क्षमताओं को एक मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा। महोत्सव में 300 से अधिक स्टॉल लगाने का लक्ष्य रखा गया है। स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय सह-समन्वयक डॉ. राजेश गोयल ने प्रेस वार्ता में महोत्सव की रूपरेखा साझा करते हुए कहा कि स्वदेशी केवल देश में निर्मित वस्तुओं को खरीदने तक सीमित विचार नहीं है, बल्कि यह आर्थिक सुरक्षा, रोजगार सृजन, राष्ट्रीय स्वाभिमान, स्थानीय उद्योगों के विकास और भारतीय संस्कृति के संरक्षण से जुड़ा व्यापक अभियान है। इस अवसर पर मेले के प्रमुख रजनीश गर्ग, संयोजक हरिंदर मलिक और जिला प्रधान अरुण गर्ग सहित सुरिंदर गोयल तथा जे.पी. जांगड़ा भी उपस्थित रहे। सभी ने स्वदेशी अभियान को जन-जन तक पहुंचाने और भारतीय उत्पादों के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया।

'विरासत के भारत' होगी महोत्सव की खास पहचान: इस बार स्वदेशी महोत्सव की विशेष थीम 'विरासत के भारत' रखी गई है। इसके माध्यम से देश के विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक विविधता, पारंपरिक कला, हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों को प्रदर्शित करने की योजना है। देश के अलग-अलग हिस्सों की विशिष्ट कलाओं, पारंपरिक परिधानों, हस्तनिर्मित वस्तुओं और क्षेत्रीय उत्पादों को एक मंच पर लाने का प्रयास किया जाएगा।

डॉ. राजेश गोयल ने कहा कि भारत की पहचान उसकी विविध भाषाओं, वेशभूषाओं, लोककलाओं, खानपान की परंपराओं, हस्तशिल्प और पारंपरिक उद्योगों से बनती है। महोत्सव का उद्देश्य इन विशेषताओं को एक मंच पर लाकर लोगों को देश की समृद्ध विरासत से जोड़ना है।

300 से अधिक स्टॉलों पर मिलेगा भारतीय उत्पादों को मंच: महोत्सव में 300 से अधिक स्टॉल लगाने की योजना है। इनमें विभिन्न श्रेणियों के भारतीय उत्पादों, स्थानीय निर्माताओं, कारीगरों और उद्यमियों को अपने उत्पाद प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। इससे उपभोक्ताओं और उत्पादकों के बीच सीधा संपर्क बढ़ेगा तथा छोटे कारोबारियों को नए ग्राहकों तक पहुंचने का अवसर मिल सकेगा।

आयोजकों का उद्देश्य महिला उद्यमियों, स्थानीय व्यापारियों और छोटे उद्योगों को प्रोत्साहित करना भी है, ताकि भारतीय उत्पादों की पहचान मजबूत हो और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ें।

चीन के साथ व्यापार घाटे का उल्लेख, स्वदेशी अपनाने की अपील: प्रेस वार्ता में डॉ. राजेश गोयल ने चीन के साथ भारत के व्यापार असंतुलन का उल्लेख करते हुए कहा कि विदेशी उत्पादों पर अत्यधिक निर्भरता कम करना देश की आर्थिक मजबूती के लिए आवश्यक है। उन्होंने घरेलू उत्पादन बढ़ाने, भारतीय उद्योगों को प्रोत्साहित करने और देश में निर्मित वस्तुओं की खरीद को प्राथमिकता देने की अपील की।

उन्होंने कहा कि यदि देश का प्रत्येक नागरिक अपनी खरीदारी में भारतीय उत्पादों को प्राथमिकता देता है, तो इसका लाभ देश के निर्माताओं, छोटे कारोबारियों, कारीगरों, श्रमिकों और युवाओं तक पहुंचेगा। छोटी-छोटी व्यक्तिगत पहल मिलकर घरेलू उद्योगों के लिए बड़ा बाजार तैयार कर सकती हैं।

हरियाणा के आईटीआई विद्यार्थियों की स्वदेशी लाइटों को मिलेगा प्रोत्साहन: डॉ. गोयल ने बताया कि स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत हरियाणा के आईटीआई विद्यार्थियों द्वारा स्वदेशी लाइटें तैयार की जा रही हैं। पंचकूला में भी इन लाइटों को लोगों तक पहुंचाने की योजना है। उन्होंने नागरिकों से दीपावली और अन्य त्योहारों पर विदेशी सजावटी लाइटों के स्थान पर भारतीय विद्यार्थियों और उत्पादकों द्वारा तैयार लाइटों को प्राथमिकता देने की अपील की।

उन्होंने कहा कि इससे विद्यार्थियों के तकनीकी कौशल, स्थानीय उत्पादन और रोजगार की संभावनाओं को प्रोत्साहन मिलेगा।

स्थानीय बाजारों को मजबूत करना भी स्वदेशी अभियान का उद्देश्य: डॉ. राजेश गोयल ने नागरिकों से अपने शहर, सेक्टर और आसपास के बाजारों से खरीदारी करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्थानीय दुकानदारों और छोटे व्यापारियों की आजीविका बाजार में होने वाली खरीदारी पर निर्भर करती है। स्थानीय बाजारों से खरीदारी करने पर शहर की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है और अनेक परिवारों की आय को सहारा मिलता है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी का अर्थ केवल विदेशी वस्तुओं का विकल्प तलाशना नहीं, बल्कि देश में बेहतर उत्पाद तैयार करना, अनुसंधान को बढ़ावा देना, उद्यमिता विकसित करना और भारतीय कंपनियों को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाना भी है।

पंचकूला लेडीज क्लब ने मनाया प्री करवा चौथ

जगदीप शर्मा, पंचकूला। पंचकूला लेडीज क्लब की 50 महिलाओं ने होटल सिप एंड डाइन में बहुत धूमधाम से प्री करवा चौथ मनाया। अध्यक्ष शारदा कठपालिया ने सभी मेंबर्स को आने वाले करवा चौथ की हार्दिक शुभकामनाएं दी। सभी मेंबर्स को उपहार स्वरूप सजावटी दिया उर्ली और टप्परवेयर गिलास भेंट किये गये। सुरेखा सिंह और शारदा कठपालिया ने ÷बाला विच तेरे बार-बार कंघीयङ्क गाने पर नृत्य किया। सिंपल गर्ग और रश्मि गुप्ता ने ÷साजन तुमसे प्यार की लड़ाई में÷ गाने पर नृत्य किया। कमलेश गेरा और नीरू मित्तल ने ÷दीदी तेरा देवर दीवाना÷ पर नृत्य कर सब को हंसाया। सुषमा शर्मा और सुनीता नैन ने घुंघरवा मोरा छन छन बाजे÷ पर खूबसूरत परफॉर्मेंस दी। हनाया ने मंच संचालन कर सब का मन मोह लिया और तंबोला भी खिलाया। सभी मेंबर्स ने फोटो शूट करवाया और रील भी बनवाई और पूरे जोश से डीजे पर हिंदी और पंजाबी गानों पर डांस भी किया। क्लब का अगला कार्यक्रम चौखी ढाणी का भ्रमर करना होगा।

भाजपा चंडीगढ़ में संगठनात्मक नियुक्तियाँ-14 विशेष आमंत्रित सदस्यों की घोषणा

जगदीप शर्मा, चंडीगढ़, । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) चंडीगढ़ इकाई ने प्रदेश कार्यकारिणी में 14 नए विशेष आमंत्रित सदस्यों की नियुक्ति की घोषणा की है। यह नियुक्तियाँ प्रदेश अध्यक्ष श्री जतिंदर पाल मल्होत्रा की सहमति से की गई हैं।

प्रदेश महामंत्री रामबीर भट्टी द्वारा जारी आधिकारिक पत्र के अनुसार, इन नियुक्तियों का उद्देश्य पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को और मजबूत बनाना तथा विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े कार्यकर्ताओं को प्रदेश स्तर पर प्रतिनिधित्व देना है।

नियुक्त विशेष आमंत्रित सदस्य

पत्र में जारी सूची इस प्रकार है-

1. श्री दीदार सिंह
2. श्री ओम प्रकाश बुंद्रेराजा
3. श्री बी.एस. बिष्ट
4. श्री बलविंदर सिंह
5. श्री हरीश शर्मा
6. श्री अवनीश कंसल
7. श्री राजेश कुमार गुप्ता (बिट्टू)
8. श्री रघुवीर अरोड़ा
9. श्री जतिंदर चोपड़ा
10. श्री परवीन गोयल (पुत्र स्वर्गीय श्री श्रीचंद गोयल)
11. श्रीमती निकिता गुप्ता
12. श्री मन्नू भसीन
13. श्री देवेश मांडगिल
14. श्री सचिन कुमार

ये सभी नियुक्तियाँ तत्काल प्रभाव से लागू हो गई हैं।

शिवालिक एनक्लेव में खुशी की लहर

निकिता गुप्ता को प्रदेश कार्यकारिणी में विशेष आमंत्रित सदस्य बनाए जाने से शिवालिक एनक्लेव के निवासियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। स्थानीय निवासियों ने इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि भाजपा का शीर्ष नेतृत्व निकिता गुप्ता को वार्ड-6 से पार्षद उम्मीदवार के रूप में टिकट भी प्रदान करेगा।निवासियों का कहना है कि निकिता गुप्ता क्षेत्र की सक्रिय कार्यकर्ता हैं और स्थानीय मुद्दों को अच्छी तरह समझती हैं। उनके कार्यकारिणी में शामिल होने से न केवल संगठन मजबूत होगा, बल्कि क्षेत्र के विकास कार्यों को भी गति मिलेगी।

संगठनात्मक महत्व: भाजपा चंडीगढ़ की प्रदेश कार्यकारिणी में विशेष आमंत्रित सदस्यों की नियुक्ति पार्टी की रणनीति का हिस्सा मानी जाती है। सूची में पुरुषों के साथ-साथ एक महिला सदस्य (श्रीमती निकिता गुप्ता) का भी नाम शामिल होना उल्लेखनीय है।प्रदेश महामंत्री रामबीर भट्टी ने पत्र पर हस्ताक्षर करते हुए स्पष्ट किया है कि ये नियुक्तियाँ प्रदेश अध्यक्ष की मंजूरी से की गई हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, इन नए सदस्यों से संगठन को और गति मिलने की उम्मीद है।

एशियन पैरा गेम्स में हरियाणा का ऐतिहासिक प्रदर्शन

चंडीगढ़,। जापान में 18 से 24 अक्टूबर 2026 तक आयोजित एशियन पैरा गेम्स में हरियाणा के पैरा खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से इतिहास रच दिया है। भारतीय खिलाड़ियों ने इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में कुल 114 पदक जीतकर पूरे देश का नाम रोशन किया है, जिसमें हरियाणा के खिलाड़ियों ने अहम योगदान देते हुए 9 स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक सहित कुल 31 पदक हासिल किए हैं। इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने हरियाणा को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर एक नई और मजबूत पहचान दिलाई है। हरियाणा के इस गौरवपूर्ण प्रदर्शन पर पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ हरियाणा की अध्यक्ष आरती सिंह राव ने एशियन पैरा गेम्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी खिलाड़ियों, उनके प्रशिक्षकों, सहयोगी स्टाफ, परिवारजनों और खेल से जुड़े सभी अधिकारियों को हार्दिक बधाई दी है।

खनन विभाग द्वारा श्री आनंदपुर साहिब के गांव भल्लाण में अवैध खनन के विरुद्ध सख्त कार्रवाई; देर रात छापे के दौरान एक व्यक्ति काबू

पोकलेन मशीन और टिप्पर जब्त

माइन्ज़ एंड मिनरल्ज़ एक्ट के तहत मामला दर्ज

चंडीगढ़,। मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने राज्य भर में अवैध खनन के विरुद्ध मुहिम में और तेजी लाई है।

खनन विभाग ने 23 और 24 अक्टूबर की मध्य रात्रि श्री आनंदपुर साहिब की नंगल तहसील के अंतर्गत पड़ने वाले गांव भल्लाण में छापेमारी के दौरान अवैध खनन के लिए इस्तेमाल की जा रही एक पोकलेन मशीन और एक टिपर को जब्त किया। इसके साथ ही अवैध खनन गतिविधियों में शामिल एक व्यक्ति को भी मौके पर पकड़ा गया है।

इस कार्रवाई संबंधी जानकारी देते हुए पंजाब के खनन और भू-विज्ञान मंत्री श्री बरिंदर कुमार गोयल ने कहा कि गैर-कानूनी खनन गतिविधियों को रोकने के लिए विभाग द्वारा सख्त निगरानी रखी जा रही है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पंजाब के प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करने और निर्धारित कानून के अनुसार खनन गतिविधियां सुनिश्चित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि यह विशेष छापेमारी खास तौर पर खनिजों के अवैध खनन को रोकने और खनन कार्यों में भारी मशीनरी के अनधिकृत उपयोग की जांच करने के लिए की गई। मौके से जब्त की गई मशीनरी और दोषी की गिरफ्तारी विभाग की उक्त कार्रवाई की सफलता का प्रमाण है।

उल्लेखनीय है कि इस मामले में संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध माइन्ज़ एंड मिनरल्ज़ (डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन) एक्ट, 1957 की धाराओं 4(1) और 21(1) के तहत केस दर्ज किया गया है और कानून के अनुसार अगली कार्रवाई शुरू की गई है।

खनन और भू-विज्ञान मंत्री ने स्पष्ट तौर पर कहा, च्वविभाग अवैध खनन के विरुद्ध अपनी सख्त कार्रवाई जारी रखेगा और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर बनती कानूनी कार्रवाई की जाएगी ताकि राज्य भर में गैर-कानूनी खनन गतिविधियों को रोकने के साथ-साथ कीमती खनिज संसाधनों को सुरक्षित रखा जा सके।

गैंगस्टरां ते वार का 277वां दिन: पंजाब पुलिस द्वारा 527 स्थानों पर छापेमारी; 223 काबू

पुलिस टीमों ने 175 व्यक्तियों के विरुद्ध एहतियातन कार्रवाई भी की

चंडीगढ़,। गैंगस्टरों के विरुद्ध निर्णायक अभियान चौंगस्टरां ते वारज के 277वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे प्रदेश में गैंगस्टरों के साथियों के पहचाने गए और मैप किए गए 527 ठिकानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि पंजाब को गैंगस्टर-मुक्त प्रदेश बनाने के लिए शुरू किए गए अभियान– गैंगस्टरों पर वार – की शुरुआत पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव द्वारा 20 जनवरी, 2026 को की गई थी। प्रदेश के सभी जिलों की पुलिस टीमें, च्एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्सज पंजाब के समन्वय से, पूरे प्रदेश में विशेष अभियान चला रही हैं।

277वें दिन, पुलिस टीमों ने 223 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिससे इस अभियान की शुरुआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 80,458 हो गई है।

इसके अतिरिक्त 175 व्यक्तियों के विरुद्ध एहतियातन कार्रवाई की गई है। पुलिस टीमों ने इस कार्रवाई के दौरान दो फरार अपराधियों को भी गिरफ्तार किया है। आम लोग, एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में गुप्त रूप से जानकारी दे सकते हैं और अपराधों या आपराधिक गतिविधियों के बारे में सूचना भी दे सकते हैं। इस दौरान, पुलिस टीमों ने नशों के विरुद्ध अपना अभियान युद्ध नशेयां विरुद्धज्602वें दिन भी जारी रखा। आज 113 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से 358 ग्राम हेरोइन, 1920 नशीली गोलियां और 3160 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई। इसके साथ ही केवल 602 दिनों में गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों की कुल संख्या 87,600 तक पहुंच गई है। नशा मुक्ति अभियान के हिस्से के रूप में, पंजाब पुलिस ने आज 13 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास उपचार करवाने के लिए राजी किया है।

आशीर्वाद योजना से जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के सपनों को मिली नई उड़ान; 12,784 लाभार्थियों को 65.20 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता जारी: डॉ. बलजीत कौर

आर्थिक रूप से कमजोर एवं हाशिए पर रहने वाले परिवारों की बेटियों के विवाह के लिए पंजाब सरकार द्वारा 51,000 रुपये की वित्तीय सहायता

चंडीगढ़। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बेटी का विवाह जहां खुशियों का अवसर होता है, वहीं यह एक बड़ी आर्थिक जिम्मेदारी भी होती है। ऐसे परिवारों का मजबूत सहारा बनते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार आशीर्वाद योजना के माध्यम से यह सुनिश्चित कर रही है कि आर्थिक तंगी किसी भी बेटी के सपनों की राह में बाधा न बने। यह जानकारी सामाजिक न्याय, अधिकारिता एवं अल्पसंख्यक मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने दी।

सामाजिक न्याय, अधिकारिता एवं अल्पसंख्यक मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने जानकारी देते हुए बताया कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान आशीर्वाद योजना के तहत अब तक 12,784 लाभार्थियों को 65.20 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता जारी की गई है। उन्होंने कहा कि यह योजना समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों की बेटियों को सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर प्रदान करने के प्रति पंजाब सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि इस योजना के तहत प्रत्येक पात्र लाभार्थी को बेटी के विवाह के लिए 51,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि एक परिवार की अधिकतम दो बेटियां इस योजना का लाभ उठा सकती हैं, जिससे अधिक से अधिक जरूरतमंद परिवारों को समय पर सहायता मिल रही है।

डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि जारी की गई कुल राशि में से अनुसूचित जाति वर्ग के 8,774 लाभार्थियों को 44.75 करोड़ रुपये, जबकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) और पिछड़ी श्रेणियों से संबंधित 4,010 लाभार्थियों को 20.45 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता जारी की गई है।

उन्होंने यह भी बताया कि अनुसूचित जाति वर्ग के 9,183 तथा पिछड़ी श्रेणियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 4,342 अन्य लाभार्थियों के मामलों में वित्तीय सहायता जारी करने की प्रक्रिया चल रही है।

योजना को पूरी पारदर्शिता के साथ लागू करने पर जोर देते हुए डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि आशीर्वाद योजना के तहत वित्तीय सहायता प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली के माध्यम से सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी जाती है। इससे पारदर्शी, प्रभावी और समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित होता है।

कैबिनेट मंत्री ने जिला एवं विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि आशीर्वाद योजना का कोई भी पात्र लाभार्थी इसके लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने अधिकारियों को आवेदनों की तत्काल जांच और निपटारे को सुनिश्चित करने के लिए कहा, ताकि बेटियों के विवाह जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर जरूरतमंद परिवारों को समय पर वित्तीय सहायता प्राप्त हो सके।

डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है और जनहितैषी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू कर रही है।

बरवाला को मिली आधुनिक बस स्टैंड की सौगात

चंडीगढ़ , हरियाणा सरकार का प्रयास है कि हिसार जिला का बरवाला क़स्बा में नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलें और इस क़स्बा को आधुनिक एवं सुंदर बनाया जाए। बरवाला क़स्बा में विकास कार्यों को निरंतर गति दी जा रही है। शहर में आधुनिक बस स्टैंड बनकर तैयार हो चुका है। बस स्टैंड के साथ लगती मॉडर्न अनाज मंडी का निर्माण कार्य भी जारी है। यह बात हरियाणा के लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने शनिवार को हिसार जिला के क़स्बा बरवाला में बस स्टैंड के उद्घाटन के दौरान उपस्थित जन को संबोधित करते हुए कही। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि बरवाला शहर में विकास को लेकर किए गए वादों को पूरा करने के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है। रामबाग के विकास के लिए करीब 3.30 करोड़ रुपये का टेंडर किया गया है। सिटी पार्क पर भी लगभग 3.30 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इसके अलावा शहर में सडक़ों, गलियों, लाइब्रेरी और अन्य जनसुविधाओं से जुड़े कार्य किए जा रहे हैं।

SIR के विरोध में कांग्रेस का 1 नवंबर की तारीख चुनना खड़े करता है गंभीर सवाल -मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

1984 के सिख–विरोधी नरसंहार के पीड़ितों को न्याय दिलाना राजनीति नहीं, हमारा कर्तव्य है ङ्क मुख्यमंत्री

जिनके शासनकाल में बूथ कैप्चरिंग के आरोप सामने आए, वही आज वोट चोरी का शोर मचा रहे हैं ङ्क मुख्यमंत्री

जगदीप शर्मा, चंडीगढ़, । हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस के पास स्ढ्ढक्र के विरोध में रैली करने के लिए वर्ष के 365 दिन थे, लेकिन 1 नवंबर की तारीख चुनने पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हर दल को अपनी बात रखने का अधिकार है, और हम उसका सम्मान करते हैं। लेकिन कांग्रेस ने आखिर इसी तारीख को क्यों चुना ? 1 नवंबर 1984 वही तारीख है, जब दिल्ली में सिख-विरोधी हिंसा का भयावह दौर शुरू हुआ था। हजारों सिख परिवारों ने अपने प्रियजन खोए, और वह पीड़ा आज भी उनके मन में जीवित है। तारीखें केवल कैलेंडर में नहीं, देश की स्मृति में भी दर्ज होती हैं। फिर ठीक वही दिन क्यों चुना गया, जो सिख समाज की सबसे पीड़ादायक स्मृति से जुड़ा है? जिस दिन सिख समाज अपने शहीदों को याद कर सिर झुकाता है, उस दिन कांग्रेस मंच सजाकर नारे लगाएगी? यदि यह संयोग है, तो कांग्रेस को खुलकर कहना चाहिए और सिख समाज की भावनाओं के प्रति संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। यदि यह संयोग नहीं है, तो यह और भी गंभीर विषय है। दोनों ही स्थितियों में जवाबदेही कांग्रेस की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1 नवंबर सिख समाज के लिए शोक और स्मरण का दिन है। उस दिन राजनीतिक नारों और शोर से उन यादों पर पर्दा डालने का प्रयास हो, तो प्रश्न उठना स्वाभाविक है। 1984 के पीड़ितों के प्रति हमारी भावना राजनीति की नहीं, संवेदना और कर्तव्य की है। पीड़ितों के साथ खड़ा होना कोई उपकार नहीं, यह हमारा धर्म है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2015 में विशेष जांच दल (SIT) का गठन कर 1984 के बंद पड़े मामलों की दोबारा जांच का रास्ता खोला गया। इसी प्रक्रिया के तहत कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को उम्रकैद की सजा हुई। उन्होंने कहा कि जब वर्षों से बंद पड़ी फाइलें खुलीं, तभी पीड़ितों के लिए न्याय की उम्मीद भी मजबूत हुई। उन्होंने कहा कि करतारपुर साहिब कॉरिडोर के खुलने से संगत की दशकों पुरानी अरदास पूरी हुई। साहिबजादों के अद्वितीय बलिदान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान देने के लिए 26 दिसंबर को 'वीर बाल दिवस' घोषित किया गया। वहीं, सेवा भोज योजना के तहत गुरुद्वारों के लंगर पर लगने वाले तस्ज्ञ की प्रतिपूर्ति की व्यवस्था भी की गई। ये कदम सिख समाज की आस्था, सेवा और बलिदान की परंपरा के प्रति सम्मान को दर्शाते हैं।

हरियाणा में 1984 की हिंसा के पीड़ित 121 परिवारों को सरकारी नौकरी देने का निर्णय उनके सम्मानजनक पुनर्वास की दिशा में कदम: मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में भी 1984 की हिंसा ने गहरे जख्म दिए थे। प्रदेश में 121 लोगों की जान गई, जबकि 20 गुरुद्वारों, 221 घरों, 154 दुकानों और 57 कारखानों को जला दिया गया। इन परिवारों की क्षति की भरपाई कोई भी कदम पूरी तरह नहीं कर सकता, लेकिन सरकार ने उनके प्रति अपना दायित्व समझते हुए विधानसभा में निर्णय लिया कि इन 121 परिवारों के सदस्यों को सरकारी नौकरी दी जाएगी, ताकि वे सम्मान के साथ अपना जीवन आगे बढ़ा सकें। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों को दशकों तक अपने अधिकारों और न्याय के लिए प्रतीक्षा करनी पड़ी, उनके प्रति संवेदनशीलता दिखाना सरकार का कर्तव्य है। सिख समाज की पीड़ा को समझना और उसके इतिहास तथा बलिदान का सम्मान करना आवश्यक है। सरदार त्रिलोचन सिंह के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ चुके नेता हैं।

SIR पर कांग्रेस के आरोप दोहरा मापदंड

मुख्यमंत्री ने कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) कोई नई प्रक्रिया नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 324 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21 के तहत निर्वाचन आयोग को मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण का अधिकार प्राप्त है। स्वतंत्रता के बाद विभिन्न वर्षों में गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया अपनाई गई, जिनमें से कई कांग्रेस के शासनकाल में हुए। ऐसे में जिस प्रक्रिया को पहले स्वीकार किया जाता रहा, उसी पर आज वोट चोरी का आरोप लगाना कांग्रेस के दोहरे मापदंड को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि मृत, स्थानांतरित और दोहरे नामों को हटाकर मतदाता सूची को शुद्ध करना निष्पक्ष चुनावों के लिए आवश्यक है। किसी भी पात्र नागरिक को अपने मताधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए और मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए निर्धारित प्रक्रिया के तहत पर्याप्त अवसर उपलब्ध हैं।